एकत्व

धन्यवाद, भाई ओरमन। प्रभु आपको आशीष दे।

सुप्रभात, मित्रों। इस आराधनालय में यहां फिर से इस सुबह होना अच्छा है। और जैसे ही मैं अंदर आया वहां पीछे खड़े होकर सुन रहा था, और भविष्यवाणी को आगे जाते हुए सुन रहा था, अर्थात अन्य जुबानों में बोलने के माध्यम से, उसके अनुवाद के साथ। और मैंने लोगों से कहा कि वह कमरा भी भरा हुआ है, सो मैंने कहा, “मैं नहीं जानता, मैंने इस व्यक्ति से बात नहीं की” (यह भाई हिगिनबोथम ही थे, यदि मैं सही व्यक्ति को पहचान रहा हूँ।) “बहुत लंबे समय से लेकर। यह महीनों हो गए हैं कि मैंने उनसे हाथ नहीं मिलाया है।” लेकिन ठीक यही है जिस पर मैं बोलने वाला हूं, जो उसने कहा आज सुबह को, बिल्कुल ठीक इसी पर मैं बोल रहा हूं। उसे ये नहीं पता था। थोड़ी देर पहले मुझे स्वयं भी नहीं पता था, कि मैं क्या बोलने जा रहा हूं। और बस यही बात उन्होंने उस समय कही। इसलिए हम यह जानकर खुश हैं कि हम प्रभु यीशु के नाम में इकट्ठे हुए हैं, और उसके सुरक्षा करने वाले पंखों के नीचे।

2 अब, मैं देखता हूं कि बहुत से लोग खड़े हुए हैं, स्थान भरे हुए है और जाम हैं, और हमें इस तरह से देखना बिल्कुल पसंद नहीं हैं। और, जितना जल्दी हो सके, हम यहाँ से इसे अलग ही बनाएंगे, एक बड़ा आराधनालय। अब, मैं फीनिक्स से बस जल्दी से रिपोर्ट करना चाहता हूं।

3 मैं पिछले रविवार की रात यहाँ था और *प्रभु भोज* के विषय पर बोला था... प्रभु भोज सेवा से पहले। प्रभु भोज या कम्युनियन का मतलब रोटी लेना नहीं है, *प्रभु भोज* का मतलब है “किसी से बात करना, जवाब में बोलना, किसी के साथ बात करना।”

4 और अब आज सुबह, यदि मैं थोड़ा ज्यादा समय लेता हूं, इसलिए, कोई तो उन लोगों के साथ सीट को बदलते रहे जो लोग खड़े हुए हैं, और इसकी सराहना की जाएगी, उन्हें थोड़ी देर के लिए बैठने दे। मैं—मैं इस समय के लिए चिंतित हूं जिसमें हम रह रहे हैं। मैं बहुत, बहुत ज्यादा चिंतित हूं। जब मैं उन चीजों को होते हुए देखता हूं जिसे मैं जगह लेते हुए देखता हूं, तो मेरे भीतर कुछ तो चीज है जो बेचैन हो जाती है। और मैं बस अपना

समय लेना चाहता हूं और कोशिश करूंगा...

5 आज सुबह के संदेश में मैं *एकत्व* के विषय पर बोल रहा हूँ। और मैं—मैं अपना समय लेना चाहता हूं और इसे ठीक वैसा ही बनाने की कोशिश करना चाहता हूं... मैं इसे उतनी ही अच्छी तरह से सामने रखूंगा जितना मैं जानता हूँ। और मैं आपकी प्रार्थनाओं की इच्छा करता हूं जैसे कि आप एकत्र हुए हैं।

6 और अब मैं चाहता हूँ कि यदि आपके पास बाईबल है और आप मेरे साथ पढ़ना चाहते हैं, तो सबसे पहले इब्रानियों का 1ला अध्याय पढ़ें। और मैं इब्रानियों के 1ले अध्याय के पहले तीन पदों को पढ़ना चाहता हूं, और फिर उत्पत्ति 1:26 और 7 को ताकि इसे एक साथ जोड़े। और कोई भी मनुष्य कुछ भी ऐसा नहीं कह सकता है जो कहने के उचित हो जब तक परमेश्वर उसे यह कहने में सहायता नहीं करता है। और—और आज सुबह के संदेश के साथ भी ऐसा ही है, लोगों और परमेश्वर के एकत्व के विषय में। अब इब्रानियों के 1ले अध्याय में, हम इसे पढ़ते हैं।

> *पूर्व युग में परमेश्वर ने... पूर्वजों से थोड़ा-थोड़ा करके और* समय-समय *से भविष्यव्यक्ताओं के द्वारा बातें की,*
>
> इन *अंतिम दिनों में हम से अपने पुत्र के* जरिये *से बातें की हैं... अपने पुत्र के द्वारा, जिसे उसने सारी वस्तुओं का वारिस* ठहराया, *और उसी के द्वारा उसने सारी सृष्टि भी रची है;*
>
> *जो उसकी महिमा* का *प्रकाश, और उसके व्यक्ति के छवि को प्रगट करता है, और सब वस्तुओं को अपनी सामर्थ के वचन से संभालता है, जब वह स्वयं हमारे पापों को धोकर, ऊंचे स्थानो पर महामहिम के दाहिने जा बैठा;*

7 और अब उत्पत्ति में, उसका—उसका 1ला अध्याय और 27वां, 26वां और 27वां पद, मैं इसे पढ़ता हूं।

> *और परमेश्वर ने कहा, हम मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार अपनी समानता में बनाएं: और वे समुद्र की मछलियों, और आकाश के* पक्षियों, *और घरेलू पशुओं पर अधिकार रखे, और सारी पृथ्वी पर, और सब रेंगने वाले जन्तुओं पर जो पृथ्वी पर रेंगते हैं, अधिकार रखे।*

तब परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार सृष्टी की, अपने ही स्वरूप के अनुसार परमेश्वर ने उसकी सृष्टी की; नर और नारी करके उसने मनुष्यों की सृष्टि की।

8 अब आइए हम प्रार्थना करते हुए कुछ क्षण के लिए अपने सिरों को झुकाए। और मुझे यकीन है कि इतनी अधिक संख्या के श्रोतागण के पास बहुत सी विनतियां हैं, इसलिए संभव हो तो हम अपना हाथ परमेश्वर की ओर उठायें, जिसके पास एक विनंती है, और इसके द्वारा उसे यह प्रगट करे कि हमारे पास कुछ तो है जिसके लिए हम प्रार्थना करना चाहते है। परमेश्वर आप में से हर एक को प्रदान करे।

9 प्रभु, हम इस आराधनालय की छत के नीचे एकत्र हुए हैं, और हम आज अपने ऊपर छत पाकर आभारी हैं। लेकिन हमारा एक साथ आना इससे भी बड़े उद्देश्य के लिए है। हम यह महसूस करते हैं कि परमेश्वर की प्रतिज्ञा के द्वारा हम सर्वशक्तिमान के पंखों के नीचे एकत्र हुए हैं। कि वह, जैसे एक मुर्गी अपने चूजों को ढांक लेती है, उसी प्रकार से वह हमें उन सभी चीज़ों से रक्षा करेगा जिनसे की हम चाहते है हमारी रक्षा करे। कि वह हमारे ऊपर मंडराए और हमारा पोषण करे और हमें आज की हमारी प्रतिदिन की रोटी दे, दोनों शारीरिक रूप से और आत्मिक रूप से, ताकि हमें धरती पर चलने-फिरने के लिए शरीर को संभालने वाली शक्ति प्राप्त हो सकें, और पवित्र आत्मा की संभालने वाली सामर्थ प्राप्त हो सके, परमेश्वर के वचन को भूखे लोगों के पास लाने के लिए। और हम यहाँ से इसे अपने होंठों और अपने हदय में लेकर निकलें, इस तरह के ताजे अभिषेक के तेल के साथ कि हम दूसरों को इस दिन के लिए बताने में सक्षम हों जिसमें हम रह रहे हैं, और ऐसे समय की परिस्थिति को बता सके। परमेश्वर, हमें आप पर पूरा भरोसा हैं। कोई भी और स्थान नहीं बचा जहां कोई भी जा सके। हम भी वैसा ही महसूस करते हैं जैसा पतरस ने उस दिन किया था जब यीशु ने कहा था, "क्या तुम भी जाना चाहते हो? "

10 उसने कहा, "प्रभु, हम कहाँ जाएं? केवल तेरे पास ही अनंत जीवन के वचन हैं।" और इसी कारण आज सुबह हम आपके नाम में एकत्र हुए हैं, क्योंकि केवल आपके पास ही अनंत जीवन के वचन हैं। और हम प्रार्थना करते हैं कि आप इसे आज हम में से प्रत्येक के लिए इतना वास्तविक बना देंगे कि हमारे हृदय के भीतर आग जल उठेगी। हमारे प्राण शक्ति को पायेंगे,

हमारे शरीर चंगे हो जायेगे, हमारी आत्माएं चंगी हो जायेगी, हमारे प्राण नए बन जायेंगे, हमें उस ढंग से बनाया जायेगा जैसा परमेश्वर हमें चाहता है।

11 पिता, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उन्हें शक्ति प्रदान करे जो कमरों में और दीवारों से टिककर चारों ओर खड़े हुए हैं, और आसपास के गलियारों में खड़े है। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उन्हें शक्ति दे। और, यह जानते हुए कि यह टेप हो रहा है, यह बहुत से भिन्न–भिन्न राष्ट्रों में जायेंगे, बाहर उन देशों में और धरती की भिन्न जातियों के पास। और, परमेश्वर, हम पूरी तरह से आप पर भरोसा करते हैं। हमें बस शक्ति को देना और उस—उस वचन और उस अभिषेक को देना, कि यह ठीक उसी प्रकार से हो सके जैसा आप इस घड़ी के लिए चाहते है। अब हम अपने आप को आपको समर्पित करते हैं, हमारा सुनना, हमारी आवाज, हमारा ध्यान, जो कुछ भी हम हैं, हम आपको समर्पित करते हैं, कि हम में होकर आप आगे बढे। हमारे जरिये से काम करें और आपकी महान उपस्थिति को हमारे साथ प्रगट करें। क्योंकि हम इसे आपके पुत्र, यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

12 *एकत्व* शब्द का अर्थ होता है, "उसके साथ एक होना।" *एकत्व*, "एकजुट होना।" और, अब, यह पूरी तरह से एक विषय है, और यह—यह विषय उससे कहीं अधिक ध्यान देने योग्य है जितना मैं इसे दे सकता हूँ, और धरती का कोई भी व्यक्ति जितना दे सकता है उससे भी अधिक। लेकिन मैं आपको इसके बारे में अपनी राय व्यक्त करना चाहता हूं, और, साथ ही जो परमेश्वर हमें देगा। अब, इसमें, ये शिक्षा का उपदेश दिया जा रहा है। और भाइयों के लिए जो हो सकता है इस टेप को सुने, मैं विश्वास करता हूं कि यह एक ठोकर का कारण नहीं होगा, लेकिन यह आपको इस बात पर बहुत ही गंभीरता से विचार करने के लिए प्रेरित करेगा। कि आप इसका अध्ययन प्रार्थनापूर्वक, ध्यानपूर्वक करेंगे, और इसे परमेश्वर के वचन के तराजू में तौलकर देखेंगे, कि यह परमेश्वर की ओर से है या नहीं।

13 क्योंकि मैं विश्वास करता हूं कि इसी तरह से हमें हमेशा करना चाहिए, वचन के साथ चीजों को तौलना चाहिए, क्योंकि केवल वचन ही वो चीज है जो कि बनी रह सकती है। यीशु ने कहा, "आकाश और धरती दोनों टल जाएंगे, लेकिन मेरा वचन कभी नहीं टलेगा।" इसलिए मैं इसका विश्वास करता हूं, और इसे परमेश्वर की योजना होने का विश्वास करता हूं। मैं

विश्वास करता हूं कि यह परमेश्वर का पूरा किया हुआ काम है जो वचन में लिखा हुआ है। इसलिए, यदि कोई भी चीज उस वचन के विपरीत होगी, तो यह परमेश्वर या परमेश्वर की योजना नहीं हो सकती है। मैं विश्वास करता हूं कि यह वो योजना है। अब, वचन में परमेश्वर का आत्मा वचन को स्वयं से जीने को लगाता है, स्वयं से काम करने को लगाता है। यह वचन को जीवन में लाता है, एक बीज के समान।

14 अब, पहला पुरुष और पहली स्त्री अदन की वाटिका में परमेश्वर के साथ सिद्ध तालमेल में थे, इतना अधिक कि परमेश्वर किसी भी समय नीचे आ सकता था, जब भी वो चाहे और आदम और हव्वा के साथ सीधा–सीधा बात कर सकता था। अब, यही सिद्ध एकत्व है, परमेश्वर और उसकी सृष्टि, परमेश्वर आदम और हव्वा के साथ सीधा–सीधा बोल रहा है। और वे परमेश्वर के साथ इतने सिद्ध तालमेल में थे यहाँ तक कि वे परमेश्वर के साथ एक हो गए थे। परमेश्वर और उसका परिवार एक था।

15 कोई भी मनुष्य और उसका परिवार, एक सही–सही, अच्छा, कुलीन, आज्ञाकारी परिवार एक दूसरे के साथ एक होता है, कोई भी परिवार। और यदि परिवार में कुछ तो ऐसी बात होती है जो उन्हें अलग करती है, तो यह ठीक नहीं है, परिवार कहीं ना कहीं टूटा हुआ होता है। उन सभी को एक होना चाहिए, पिता को माता के साथ, माता को पिता के साथ, माता–पिता के साथ बच्चे, बच्चों के साथ माता–पिता, सभी एक ही सहमति में। और, जब आप ऐसा देखते हैं, तो आप एक सुंदर तस्वीर को देखेंगे।

16 यही तो परमेश्वर का उद्देश्य है। और पिता के रूप में उसका उद्देश्य, सर्वोच्च, उसके परिवार के साथ एक होना था, धरती पर का परिवार, आदम और हव्वा थे। और केवल एक ही तरीका है कि वे परिवार के साथ एक हो सकते हैं, या परमेश्वर के साथ, क्योंकि परमेश्वर का स्वभाव उनके अंदर था। इस प्रकार उनमें परमेश्वर का स्वभाव आ गया, और फिर वे एक–दूसरे के साथ तथा परमेश्वर के साथ पूरी तरह से एक बन गए। क्या यह एक सुंदर तस्वीर नहीं है, परमेश्वर अपने परिवार में है, सभी के ऊपर पिता, सर्वोच्च! कोई मृत्यु नही, कोई दुःख नही, कोई हृदय का दौरा नही, कुछ भी नहीं; केवल अकथनीय आनंद; कभी भी बीमार नहीं होना है, कभी भी हृदय का दौरा नहीं पड़ना है, बस परमेश्वर के साथ एक! क्या ही एक तस्वीर है! क्योंकि, इन लोगों में वही परमेश्वर का स्वभाव था। और

इसलिए, जो कुछ उन्होंने किया, वे केवल परमेश्वर के साथ–साथ चले, और परमेश्वर ने उनके साथ होकर उन्हें एक बना दिया।

17 अब, यीशु ने यूहन्ना, 17वें अध्याय और 11वें पद में प्रार्थना की, ये आप के लिए है जो संडे स्कूल के मूल पाठ को लिख रहे है। आज सुबह मेरे पास उनमें से बहुत से वचन हैं। यूहन्ना 17:11, यीशु ने प्रार्थना की कि कलीसिया और वो एक हो जाए जैसे वो और पिता एक है। कि कलीसिया, हम मसीह की देह के सदस्य के रूप में, एक हो जाये, एक साथ, ठीक वैसे ही जैसे वो और पिता एक हैं। और उस दिन हम जानेंगे कि वह पिता में था... पिता उसमें था, और वह हम में, कि हम सब मिलकर एक हो। क्या ही एकता, यही वो एक एकत्व होगा, कि देखे परमेश्वर उसकी कलीसिया में है इतना तक कि हर एक सदस्य ठीक सिद्ध रूप से एक दूसरे के साथ और परमेश्वर के साथ तालमेल में हो। यही वह कलीसिया है जिसके लिए यीशु आ रहा है। यही है जब उसकी प्रार्थना का उत्तर दिया जाएगा, कि हम एक हो।

18 और यही एकमात्र संगति का आधार है, जिसे परमेश्वर ने कभी अपने लिए और अपनी कलीसिया के लिए निर्धारित किया है, यही लोगों में उसकी खुद की एकात्मकता है। यही संगति का एकमात्र आधार है। और केवल एक ही तरीका है कि आपके पास वे आधार हो सकते हैं, वो है उसके साथ हमेशा के लिए एक हो जाना। ठीक वैसे ही जब आप अपने पति के साथ एक हो जाती हैं, स्त्री अपने पति के साथ एक हो जाती है, यह एक प्रतिज्ञा है जब तक मृत्यु नही आती। अब, फिर जब आप परमेश्वर के साथ एक हो जाते हैं, तो यह वही चीज है कि कलीसिया मसीह के साथ एक हो जाती है, यह तब तक है जब तक मृत्यु हमें अलग न कर दे। और तब यदि आप कभी भी पाप या कुछ भी गलत नहीं करते हैं, तो आप परमेश्वर के साथ अनंतता के लिए एक हो जाएंगे। और केवल मृत्यु ही आपको परमेश्वर से दूर ले जा सकती है, और ना ही शारीरिक मृत्यु, लेकिन पाप की मृत्यु। पाप मृत्यु है, और यह आपको परमेश्वर से दूर ले जाता है। सो, उसकी सामर्थ की आत्मा में उसके साथ एक होना, ये अनंत जीवन है, आप परमेश्वर के साथ अनंतता के लिए एक हो जाते हैं। ओह, मैं थोड़ी देर के बाद इस बात को लेना चाहता हूं। अनंत परमेश्वर के साथ अनंता के लिए एकता, उसके साथ सिद्ध तरह से तालमेल में, सिद्ध रूप से एक साथ एक होना, एक कलीसिया जिसमें सभी, दोनों परमेश्वर और उसकी कलीसिया, एक

होते है, एक साथ एकजुट है।

19 और यदि आप ध्यान देंगे कि कैसे आदम के साथ हव्वा एक हो गई थी, वह उसका भाग बन गई। परमेश्वर, क्या आपने उत्पत्ति 1:27 में ध्यान दिया, उसने मनुष्य को नर और नारी करके बनाया, उसने उनकी सृष्टी की। अब, मनुष्य एक... नर और नारी दोनों था जब ये स्त्रीत्व और पुरुषत्व की आत्मा में अस्तित्व में आया। तब परमेश्वर ने उसकी बगल से एक—एक पसली को लिया। क्या आपने ध्यान दिया कि शरीर का भाग उप–उत्पादन था, लेकिन आत्मा नहीं? स्त्री के शरीर का भाग एक उप–उत्पादन था, सृष्टि के काम की समाप्ति होने के बाद, परमेश्वर ने आदम की बगल से एक पसली को लिया और एक स्त्री को बनाया। लेकिन आत्मा नहीं, आत्मा आदम का भाग था, क्योंकि वह पुरुष और स्त्री दोनों था, स्त्री–... आत्मिक रूप से बोल रहा हूं, दोनों पुरुष और स्त्री।

20 अब, क्या आप उस महान तस्वीर को नहीं देखते हैं? हम, देह में, भिन्न है। हम एक उप–उत्पादन के जैसे हैं, एक सृष्टी किये हुए अस्तित्व, पवित्र विवाह के बंधन के द्वारा। लेकिन आत्मा में हम बेटे और बेटीयां हैं, ना ही कोई दूसरी आत्मा, लेकिन जीवित परमेश्वर का आत्मा। हम उसकी समानता में हैं, उसकी एकता में, जीवित परमेश्वर के सिद्ध स्वरुप में, क्योंकि हम बेटे और बेटीयां बन जाते हैं। ना ही अलग किये गये, लेकिन वही आत्मा, वही परमेश्वर, वही व्यक्ति, अनंतता के लिए पवित्र विवाह के बंधन में जुड़ गये है। देखो कि परमेश्वर ने किस तरह से इसकी योजना बनाई कि हमें भिन्न नहीं होना चाहिए, लेकिन वही होना होगा! ना ही किसी और जाति का कोई और अस्तित्व, लेकिन एक सच्ची एकता और सर्वशक्तिमान का वंश, जिसे एक पवित्र मिलन के द्वारा किया गया। अब, वो शरीर माता और पिता से आता है, लेकिन आत्मा परमेश्वर से आता है, परमेश्वर स्वयं को अलग करता है जैसे कि आदम को अलग किया गया था।

21 पेंटीकोस्ट के दिन पर, हम देखते है पवित्र आत्मा, अग्नि का स्तंभ, जो स्वयं को अलग कर रहा था और उस कलीसिया के प्रत्येक सदस्य के ऊपर आकर ठहरता है, परमेश्वर अपने आप को एक साथ रख रहा है! तब उन लोगों के झुंड के साथ मिलकर, यह क्या करता है? प्रभु यीशु की एकीकृत की हुई देह को वापस लाता है। एक साथ आते हुए!

22 और आज इस बड़े अलगाव में जिसमें हम रह रहे हैं, सांप्रदायिक

मतभेद और इत्यादि है, क्या ही दयनीय बात है, कितनी शर्म की बात है!

23 अनंत परमेश्वर के साथ स्वर्गीय विवाह के बंधन में बंधे हुए, उसका भाग, परमेश्वर का भाग। शरीर में मैं ब्रन्हम बन गया मेरे पिता की वजह से, जो ब्रन्हम है। आप अपने पिता और माता के भाग बन जाते है, लेकिन आत्मा में हम परमेश्वर के साथ एकता में आ जाते हैं, परमेश्वर का भाग होते हैं। यही कारण है कि आत्मा मर नहीं सकता है। "वह जो मुझ पर विश्वास करता है, उसके पास अनंत जीवन है। और उस स्वरूप में जो वो यहां धरती पर है, और उसकी समानता में, मैं उसे अंतिम दिनों में जिला कर खड़ा करूंगा।" ना ही एक आत्मिक अस्तित्व, क्योंकि हमारे पास परमेश्वर की महिमामय देह के समान एक देह होगी, प्रभु की महिमावंत देह, जो उस स्वरूप में उठकर खड़ी होगी।

24 यीशु ने कहा, लाजरस की कब्र की ओर जाते हुए, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूं। जो मुझ में विश्वास करता है, यदि वह मर भी जाए, तो भी वह जीवित रहेगा। और जो कोई भी जीवित है और मुझ में विश्वास करता है, वह कभी नहीं मरेगा। मुझ *में* विश्वास करता है, ना ही मुझ *पर*, लेकिन मुझ *में*।" उस *में* होना, विश्वास करता है! "यदि तुम मुझ में बने रहो और मेरा वचन तुम में।" उसमें, विश्वास करता है! ओह, प्रभु! मैं आशा करता हूं कि पवित्र आत्मा इस बात को आपको समझायेगा। अब, आप छोटे झुण्ड है, यही कारण है कि सारे सप्ताह भर, प्रार्थना करते हुए और परमेश्वर से मांग रहा था, मैंने इस विषय को चुना, ताकि आपको दिखा सकूँ कि हम कहां पर खड़े हैं। उस में विश्वास करना। आप उस में विश्वास नहीं कर सकते जब तक आप उसमें नहीं आ जाते, या, वह आप में नहीं आ जाता है, तब आप उस में विश्वास करते हैं, तब आपके पास अनंत जीवन होता है। आप उस *पर* विश्वास कर रहे होते हैं जब तक आप अनंत जीवन को प्राप्त नहीं कर लेते, उसके बाद अनंत जीवन परमेश्वर का जीवन है जो आप में होता है, तब आप उस *में* विश्वास कर रहे होते हैं।

25 "तुम मुझ में, मैं तुम में। जिससे कि वे एक हो सके, पिता, यहां तक कि जैसे आप और मैं एक हैं।" परमेश्वर मसीह में, मसीह कलीसिया में। समझे? "जैसे हम एक हैं, वैसे ही वे भी एक हो जाये।" फिर आप किस तरह से एक हो सकते हैं? "यदि तुम मुझ में बने रहो, मेरा वचन तुम में।" देखो, बने रहो! "मेरा वचन तुम में, तो जो चाहो मांगो।" क्योंकि यह अब

आप नहीं रहे, यह वो वचन है जो आप में है, और वचन परमेश्वर है।

26 अब, परमेश्वर का वचन एक तलवार है। इब्रानियों, 4था अध्याय, ऐसा कहता है, इब्रानियों 4:12। अब, यह एक तलवार है। और एक तलवार पूरी तरह से निष्क्रिय रहती है, यदि इसे हाथ या किसी शक्ति के द्वारा नहीं चलाया जाता है। और यह... लेकिन इसे एक हाथ की जरूरत होती है कि उस तलवार को पकड़े। और उस हाथ की जरूरत है जो इस तलवार को पकड़ता है, ये विश्वास का हाथ होता है।

27 अब, विश्वास का वो हाथ, यह इस बात पर निर्भर करता है कि यह कितना मजबूत है। यह विश्वास का हाथ शायद बस इतना ही मजबूत हो कि अंधकार में से होते हुए एक छोटे से छेद को करे और कहे, “विश्वास के द्वारा मैं बच गया हूं।” वह एक बड़ा वार है, लेकिन, तब, यदि उस हाथ में उस तलवार को चलाने की बस उतनी ही शक्ति है, तो वह उतना ही काट सकता है। लेकिन, यदि यह एक मजबूत हाथ है, तो यह शैतान जो कुछ भी सामने रखेगा, हर एक चीज को सीधा-सीधा काटकर आरपार कर देगा, उसके पुनरुत्थान की सामर्थ में परमेश्वर की हर एक प्रतिज्ञा को चमकायेगा। यदि यह एक विश्वास का मजबूत हाथ है, “अद्भुत कार्यो के दिन! यीशु मसीह, कल, आज और युगानुयुग एक सा है,” उसके मार्ग को काटकर बनाता है। यह तलवार के पीछे जो उस हाथ की सामर्थ है उस पर निर्भर करता है।

28 और वो तलवार बहुत ही तेज होती है। इब्रानियों 4 ने कहा, “यह दोधारी तलवार से भी तेज है, जो आते और जाते दोनों ओर से काटती है, और यहां तक कि वो—वो हड्डी के गूदे-गूदे और जोड़ों में जाकर, और हृदय के विचारों को एक परखने वाली होती है।” यह भौतिक क्षेत्र से परे जाकर, यह आत्मिक क्षेत्र में प्रवेश करती है और हृदय के विचारों को उठाकर और उन्हें प्रकट करती है। परमेश्वर का आत्मा, परमेश्वर का वचन।

29 अब, यदि वहां उस वचन के पीछे उसे भीतर तक काटने के लिए मजबूत हाथ हो, तो वह भीतर तक जाएगा और हर एक प्रतिज्ञा को काट कर और इसे आपको दे देगा, यदि आपके पास इसके पीछे बस इतना मजबूत हाथ है। वो तलवार, जो इसे विश्वास के एक हाथ—एक हाथ में उठाये! इसे कस कर पकडे ले, इसे मजबूती से पकड़ कर और चलकर शत्रु

के सामने जाये। वह खतनारहित शत्रु भला कैसे कभी अनंत परमेश्वर की उपस्थिति में खड़ा हो सकता है? इसलिए, आप वचन की तलवार को ले, और हर एक प्रतिज्ञा आपकी है। इसे विश्वास के मजबूत हाथ में उठा ले, आगे बढे! यदि आपको चंगाई की आवश्यकता है, तो इसे वचन के साथ काट डाले, "यीशु मसीह, कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" यदि आपको उद्धार की आवश्यकता है, तो बाईबल की हर एक प्रतिज्ञा आपकी है। यह वहां पीछे रखी हुई है और शैतान इसे छिपाने की कोशिश करता है, लेकिन तलवार को ले लो और अंधकार में से होते हुए आगे बढ़े जब तक कि परमेश्वर का उजियाला आपके प्राण के ऊपर चमकने ना लगे और आपके पास प्रतिज्ञा होती है। वो इसे करेगा।

30 आदम उसका एक भाग था, मेरा मतलब, हवा आदम का भाग थी, वह उसके मांस में का मांस थी और उसकी हड्डी में की हड्डी थी। और यही है जो सही एकता है। और यही है जो कलीसिया की सही एकता है, उसकी आत्मा में की आत्मा, उसके वचनों में का वचन। वचन से कभी भी हटना नहीं, वास्तविक सच्चा विश्वासी किसी भी वचन पर समझौता नहीं करेगा। याद रखें, यह केवल एक वचन था जिस पर हव्वा ने समझौता किया, एक वचन। लेकिन सच्चा विश्वासी किसी भी वचन पर समझौता नहीं करेगा। यह विश्वास की तलवार को पकड़े रहेगा... मेरा मतलब, विश्वास में, वचन की तलवार, और परमेश्वर की हर एक दिव्य प्रतिज्ञा का दावा करेगा। ऐसा ही है।

31 वे हमारे लिए परमेश्वर के उदाहरण थे, हमें क्या होना चाहिए, वे, हमेशा ही उपस्थित थे, कभी भी असफल नहीं होते थे। जब उन्होंने बोला, परमेश्वर ने उत्तर दिया। वो उनकी प्रतिदिन निगरानी करता था। रात को, जब वे सोने के लिए लेट जाते, उसने उन पर निगरानी रखी। दिन के समय में, उसने उनका मार्गदर्शन किया, उन्हें खिलाया, उनसे प्रेम किया, उनके साथ निरंतर बातचीत की, हर समय। वे परमेश्वर के स्वरूप में थे, और परमेश्वर उनमें था। यही है जो एक संगति को बनाता है। यही है जो एकता को बनाता है, ये परमेश्वर अपनी कलीसिया में है। यही एकता है। बहुत कुछ कहा जा सकता है, बताने के लिए बहुत से स्थान है। उसके साथ एक होना, ये अनंत जीवन है। और केवल एक ही तरीके से हम उसके साथ एक हो सकते हैं कि हम उसके वचन के प्रत्येक छोटे अंश पर आ जाये। यह सही है, हर एक प्रतिज्ञा को ले और इसका विश्वास करे।

32 अब, हव्वा उसके साथ एक थी जब तक कि उसने एक वचन को नहीं तोड़ा, या, एक वचन के सत्य होने पर संदेह किया। इसने हव्वा को अलग कर दिया। हर एक वचन, "मनुष्य केवल रोटी से नहीं, लेकिन हर एक वचन से जीवित रहेगा!" इसलिए हम परमेश्वर में हो सकते हैं, एकता में, क्योंकि आदम और हव्वा, गिरने से पहले, वचन पर अविश्वास करने से पहले, ये एक उदाहरण था कि हम उसमें क्या हो सकते हैं। उसके साथ एक होना, यही जीवन है; उससे अलग हो जाना, मृत्यु है। अब, यदि हम उसकी आज्ञाओं का पालन करते हैं!

33 हम जानते हैं कि हम गलतियां करते हैं, लेकिन आपको उसकी ओर नहीं देखना चाहिए। यह आपकी गलतियां नहीं है, क्योंकि आप हमेशा ही उन्हें करेंगे। लेकिन, ध्यान दे, यह उसके नियमों का पालन करना है, जो उसने करने के लिए कहा है उसका पालन करना है। ठोकर खाना और गिरना इसका इसके साथ कुछ लेना–देना नहीं है। एक वास्तविक सच्चा सेवक, यदि वह ठोकर खाता है, तो वह फिर से उठ कर खड़ा होगा। यदि वह डगमगाता है, तो परमेश्वर उसे मार्ग में सीधा वापस खींच लेता है, जब तक वो कर्तव्य के मार्ग में होता है। लेकिन यदि वह अपने कर्तव्य के मार्ग से हट जाता है, तो परमेश्वर उसके प्रति बाध्य नहीं है। लेकिन जब तक वह कर्तव्य के मार्ग पर होता है, परमेश्वर उसके प्रति बाध्य है, जानते हुए कि वह तो बस एक पुरुष या एक महिला ही है। वो उस व्यक्ति के लिए बाध्य रहता है, जब तक वे कर्तव्य के मार्ग में होते हैं।

34 अब, कलीसिया की विवाह हेतू अब मसीह से सगाई हो चूकी है। विवाह को अभी तक कभी भी संपन्न नहीं किया गया है, यह मेम्ने के विवाह के भोज के समय पर होगा। इसलिए, हम देखते हैं कि कलीसिया की अब सगाई हो चूकी है, जैसे एक पुरुष अपनी पत्नी से सगाई करता है। जब वे सगाई करते हैं तो पुरुष क्या करता है? वह बस सब तरह की चीजों को प्रदान करने लगता है, उसे उपहार भेजता है, उसे अच्छा महसूस करने को लगाता है। तो, यही है जो मसीह अपनी कलीसिया के लिए कर रहा है। वह हमारे लिए आत्मा के दानों को भेज रहा है। आप भला तब कैसे सगाई कर सकते हैं, जब कि आप इन दानों के होने का इंकार कर रहे हैं? ये वही प्रेम के टोकन है। ये कलीसिया के लिए परमेश्वर का टोकन है। यीशु ने ऐसा कहा, "ये चिन्ह उनके पीछे जाएंगे जो विश्वास करते हैं।"

35 अब, इन बातों को मन में रखें। कलीसिया को अवश्य ही हर एक वचन, हर एक प्रतिज्ञा, हर एक बिंदु पर विश्वास करना ही है, और इसे अपने लिए दावा करना है, और इसमें अपने लिए प्रयोग करना है। यदि मेरी किसी लड़की से सगाई होती है, और मैं एक अविवाहित पुरुष हूं, और मैं उसे कुछ तो भेजता हूं, एक सगाई की अंगूठी को, और वह इसे नहीं पहनती है, तब यह दर्शाता है कि वह मुझ पर विश्वास नहीं करती है। वह—वह—वह मेरी दुल्हन नहीं बनना चाहती है। और यदि मसीह अपनी कलीसिया के लिए उन दानों को भेजता है जिसकी उसने प्रतिज्ञा की है, और वे उन्हें अस्वीकार कर देते हैं और कहते हैं, "वे ऐसे नहीं हैं," तो वे मसीह की दुल्हन नहीं बनना चाहते है। उन्होंने किसी और प्रेमी को ग्रहण किया हैं, और ना ही मसीह को, जो दूल्हा है। इसलिए सच्ची कलीसिया प्रतिज्ञा को पकडे रहती है, और सब कुछ मानती है, और परमेश्वर के द्वारा भेजे गए उन दानों को स्वीकार करती है। तो ठीक है।

36 अब, पहली मनुष्य जाति ने स्वयं को परमेश्वर पर विश्वास करने की संगति से अलग कर दिया, उसके वचन पर अविश्वास करने के द्वारा और शैतान के झूठ को सुनते हुए। अब, यही वह पहली चीज है जिसने इस अद्भुत एकता की संगति से अलग कर दिया। अब देखिए, आदम और हव्वा एक ऐसे स्थिति में थे कि कभी भी नही मरेंगे, ऐसी स्थिति में थे कि कभी ना तो बूढ़ा होना है, ना कभी बीमार होना है, ना कभी भी चिंता करना है।

37 आप कहते हैं, "मैं सचमुच में यही चाहता हूं कि मैं भी इस तरह से बन सकूं।" मुझे... मेरे पास आपके लिए खबर है, आप उसी स्थिति में हैं। परमेश्वर इसे धरती की हर एक सृष्टी को उसी स्थिति में रखता है।

38 समझौता क्या था? "यदि तुम मेरे वचनों का पालन करोगे! यदि, मेरा वचन, यदि तुम इसका पालन करोगे, उस पर विश्वास करोगे और उस पर कार्य करोगे!" लेकिन पहली बार जब हव्वा ने अविश्वास किया, जो परमेश्वर ने कहा एक वचन को उसमें से हटा दिया, इसने उस महान एकता के साथ संगति को तोड़ दिया। और जिस मिनट कलीसिया परमेश्वर के बाईबल के किसी एक वचन का अविश्वास करती है, और इसे कहीं तो और स्थान पर रखती है, तब वे उस अद्भुत संगति को तोड़ देते हैं जो उन्हें दी गई थी, और वे अलग हो जाते हैं। जैसे ही उसने ऐसा किया, मृत्यु उसके मरणहार अस्तित्व में आ गई। न केवल उसके मरणहार में, लेकिन

उसके आत्मिक अस्तित्व में भी। उसने परमेश्वर के साथ संबंध को तोड़ दिया, जिस मिनट उसने अविश्वास किया। और कोई भी पुरुष विश्वास नहीं कर सकता... यहाँ है ये! ना ही कोई पुरुष, ना कोई स्त्री शैतान के झूठ पर विश्वास नहीं कर सकता—सकता है, जब तक कि वे परमेश्वर की सच्चाई का अविश्वास नहीं करते है। कोई भी शैतान के झूठ का विश्वास नहीं कर सकता है जब तक कि वे परमेश्वर की सच्चाई का अविश्वास नहीं करता है। तो, आप देखते हैं, हव्वा, आदम, आज सुबह हमें ये किस स्थान में रखते है?

39 अब आइए गंभीरता से सोचें, क्योंकि इस मरणहार जीवन के समाप्त होने के बाद हम कभी भी इसके बाद सोचने में सक्षम नहीं होंगे। आप अभी सोच सकते है। आप इसके बाद चुनाव नहीं कर सकते, आपको अवश्य ही अभी चुनाव करना है, क्योंकि यह दिन चुनाव का दिन है, अपने चुनाव को करने का। अब वो, एक वचन, ना ही बाईबल का सारे आदेश, सिर्फ एक वचन, उसने परमेश्वर से प्रश्न किया क्योंकि यह उसके लिए उस प्रकाश में प्रस्तुत किया गया था, कि उस वचन पर सवाल को उठाया गया था। परमेश्वर के वचन पर सवाल नहीं उठाया जा सकता है, उसका अर्थ बिल्कुल वही होता है जो उसने कहा। लेकिन उसने इस पर सवाल उठे क्योंकि यह उसके सामने रखा गया था, “ओह, निश्चय ही परमेश्वर का यह अर्थ नहीं था।” लेकिन उसका यही अर्थ था! परमेश्वर के हर एक वचन का वही अर्थ होता है जो वह कहता है। और इसे किसी के निजी अनुवाद की आवश्यकता नहीं है, यह बस इसी तरह से होता है जो उसने कहा है।

40 तो ठीक है, कहते हैं, “आप बाईबल के बारे में कैसे जानते हैं।” मैं विश्वास करता हूं कि मेरे परमेश्वर ने इस बाईबल का निर्देशन किया है, वो अपने वचन पर नजर रखता है। वह जानता था कि नास्तिक और विधर्मी लोग अंत के दिनों में उठ खड़े होंगे, इसलिए उसने इस पर नजर रखी है। बिल्कुल ठीक इसी तरह से परमेश्वर का यही अर्थ है। अब हमारे साथ भी यह इसी तरह से है। अब हमें इसका विश्वास करना ही है। इसमें से एक वचन को निकालते है, और हम अपनी संगति को खो देते है, मृत्यु में—में चले जाते हैं, परमेश्वर से अनंत अलगाव, ठीक जैसे आदम और हव्वा ने किया था। हमें परमेश्वर की सच्चाई पर विश्वास करना ही है।

41 मुझे इसे फिर से दोहराने दे। परमेश्वर के बाईबल के किसी भी वचन

पर अविश्वास ना करें। लेकिन ऐसे ही ना कहे, "हां, मैं इसे विश्वास करता हूं।" कहते है "लेकिन"? नहीं, इसके बारे में कुछ भी नहीं है। आप इसे विश्वास करते है, तो आप इसे स्वीकार करे। यदि आप इसे एक ओर रख देते है, कहते है, "तो ठीक है, मेरी कलीसिया इसे इस तरह से विश्वास नहीं करती है," तब आप विश्वास नहीं करते हैं कि यह परमेश्वर का वचन है, और आप उसी दोष के नीचे चलकर जाओगे जिसके नीचे हव्वा चली गई थी। आपने अपने आप को अनंतता से अलग कर लिया जब आपके पास उसके साथ एक होने का मौका था। अब, याद रखें, इस पर सवाल नहीं उठाया जा सकता है, क्योंकि यह एक वचन था, जो, परमेश्वर के वचन में था।

42 और, अब, यदि परमेश्वर ने बस कुछ—कुछ वचन दिए थे, जिसका लोगों को पालन करना ही है, और उन कुछ वचनों में उनमें से एक वचन को गलत रूप से प्रस्तुत किया गया था, जिसके कारण मृत्यु आ गयी, उन वचनों की ओर देखें जो आज हमारे पास हैं! समझे? उनमें से हर एक वचन को हमें ग्रहण करना ही है, उन्हें थामे रखना है और परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं के रूप में उसके अंदर प्रवेश करना है। और परमेश्वर की एक सच्ची पत्नी ऐसा ही करेगी, सच्ची मंगेतर वो एक जो ग्रहण की गयी। अब, मैं आशा करता हूं कि ये छोटी–छोटी बातें अब वहां गहराई में जायेगी जिससे कि हम उन्हें पकड़ सकते है।

43 वह पहली बात क्या थी जिसकी वजह से हव्वा ने परमेश्वर के वचन पर अविश्वास किया? यह इसलिए था क्योंकि शैतान ने उससे और अधिक बुद्धि का वादा किया था, "तुम बुद्धिमान बन जाओगी।" अब, आप देखते हैं, मनुष्य जाति हमेशा ही कुछ तो चीज प्राप्त करने में लगी रहती है। और हव्वा अधिक बुद्धि प्राप्त करने में लगी हुई थी।

44 अब आइए हम बस एक मिनट रुके। क्या आज संसार की यही स्थिति नहीं है? वे अधिक बुद्धि को चाहते हैं, बेहतर वर्ग को, उच्च शिक्षा को चाहते है, कुछ तो ऐसा चाहते है जो अलग हो, अधिक बुद्धि। यही है जो हव्वा चाहती थी। लेकिन मुझे यह भी कहने दो, कि कोई भी बुद्धि परमेश्वर से बढ़कर नहीं है, फिर भी यह इतने नम्र रूप में है कि लोग इससे चूक जाते हैं।

45 शैतान, जैसा कि मैंने बहुत बार कहा है, वो जगमगाता है, लेकिन

सुसमाचार चमकता है। ओह, वहां जगमगाने और चमकने में बहुत ही अंतर होता है। हॉलीवुड जगमगाता है, लेकिन कलीसिया परमेश्वर की सामर्थ और प्रेम के साथ चमकती है। हॉलीवुड जगमगाता है। जगमगाने और चमकने में बहुत अंतर है। हम जगमगाना नहीं चाहते है। हम चमकना चाहते हैं।

46 आज, ऐसा सोचना ये बहुत ही बुरी बात है, लेकिन कलीसियाये अपनी समझ का सहारा लेने की कोशिश करती है, बिल्कुल वैसे ही जैसे हव्वा ने किया। उसने सोचा, क्योंकि इसे उसके सामने रखा गया था, यह बहुत ही वास्तविक दिखाई दिया। ओह, इसे समझने से चूकना मत। यह बहुत ही वास्तविक दिखाई दिया, कुछ तो जो परमेश्वर ने कहा उसमें जोड़ा जा सकता था। ऐसा प्रतीत हुआ जैसे उसके पास कुछ तो ऐसा था, जिसके बारे में परमेश्वर ने उसे यह नहीं बताया था कि वह कितनी दूर तक जा सकती है। परमेश्वर ने उसे सीमा रेखा को नहीं दिया था जैसे उसने समुद्र के लिए निर्धारित की है और ये इसके पार नहीं जा सकता क्योंकि चंद्रमा इस पर नजर रखता है। उसने सोचा... हव्वा ने सोचा कि शैतान के पास कुछ तो ख़ास है, जैसा कि हम कहते हैं, कि वह अब भी परमेश्वर के साथ एकता में रहकर भी, और भी चतुर हो सकती थी, उसे एक बेहतर शिक्षा मिल सकती थी। लेकिन परमेश्वर ने उसके लिए ठीक उतना ही निर्धारित किया था जितनी उसे आवश्यकता थी।

47 और उसने कलीसिया के लिए उसी चीज को निर्धारित किया है। यह एक धर्म विद्यालय का तोड़–मरोड़ नहीं है, या न ही किसी बाईबल स्कूल से आयी हुई और ना ही अर्थ फेरी हुई शिक्षा है। लेकिन यह बिल्कुल वैसा ही है जो लिखा हुआ है, और **यहोवा यों कहता है!** इसे बदला नहीं जा सकता! लेकिन कलीसियाये अपनी समझ का सहारा लेती है। वे—वे सोचते हैं कि हो सकता है यह एक... वहां उनके लिए कुछ तो तैयार किया गया है, और यह उन्हें भरमा रहा है।

48 मुझे बस यहां एक मिनट के लिए रुकना है। सारा संसार इसी पर आधारित है। इस राष्ट्र की सारी अर्थव्यवस्था ये झूठी धारणा पर आधारित है। आपको अपने ऊपर एक छोटी सा मजाक सुनाता हूं, यह कोई मजाक नहीं है; लेकिन आप जानते हैं कि हम सभी अपनी पत्नीयों से प्रेम करते हैं, या, हमें करना चाहिए। और मैं यहाँ कुछ समय पहले पश्चिम में एक कार्यक्रम को देख रहा था, बहुत समय पहले की बात है, लगभग तीन

वर्ष पहले। और अपने कमरे में, एक सुबह को मैं उठा, और वहां कमरे में एक टेलीविजन लगा हुआ था। और मैंने सोचा, “ऐसा दिखता है मौसम खराब है।” और मैंने सोचा, “तो ठीक है, आठ बजे तक उनके पास इसका समाचार होना चाहिए।” और मेरे पास छोटी सी पुस्तिका थी, उसमें लिखा हुआ था इतने–इतने समय पर टी वी पर समाचार आएगा।

49 मैंने समाचार को चालू किया, और जब मैं समाचार को सुन रहा था, तब मैंने ध्यान दिया कि समाचार प्रसारण के बीच में ही उन्होंने किसी प्रकार की वस्तु का विज्ञापन देना आरंभ किया, किसी प्रकार के बर्तन धोने के पाउडर के विषय में। और कहा, “अब आप महिलाओं को अपने बर्तन धोने की आवश्यकता नहीं है। केवल एक चीज जो आपको करना हैं कि इस पाउडर को सीधा पानी में डाल दें और बर्तन कुछ मिनटों के लिए ऐसे ही उसमें छोड़ दें, इसे बाहर निकाले और इसे सूखे बोर्ड पर रख दें, यह साफ़ हो जायेगे।”

50 मैंने सोचा, “जब मैं घर पहुंचूंगा तो मैं एक हीरो बन जाऊंगा।” मैंने इस पाउडर का नाम लिख दिया, यह जो ऐसी–ऐसी चीज है। मैंने कहा, “मैं अपनी पत्नी को बताऊंगा, ‘देखो मैं क्या कर सकता हूं!’”

51 इसलिए मैंने जाकर और इस *फलां–और–फलां* चीज की एक बोतल ले आया, और मैंने इसे पानी में डाला। पत्नी से कहा कि घर में झाड़ू लगाना जारी रखें, मैं उसके लिए बर्तन को साफ़ कर दूंगा। तो मैंने बच्चों की प्लेट ली और बचे हुए टुकड़ों और आदि को बाहर निकाला, और उस पर अंडा चिपका हुआ था, और इसे पानी में डाल दिया और इसे कुछ मिनटों के लिए ऐसे ही छोड़ दिया, और बर्तन को बाहर निकालकर और उन्हें वहां पर रख दिया। जितना अंडा उन पर लगा हुआ था जब मैंने उन्हें वहाँ डाला था, उतना ही अब भी था। देखो, मैंने—मैंने खो दिया... उस समय तक मेरी पत्नी ने मुझ पर से भरोसा खो दिया होता।

52 आप देखिए, राष्ट्र ऐसा क्यों करता है, ये क्यों... यह राष्ट्र लोगों को क्यों भरमाने को देता है? इसे इस तरह की बातें कहने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इसे तो कानून के विरुद्ध करना चाहिए। आज के आधुनिक सिगरेट के विज्ञापन के विषय में देखो, क्या ही शर्मनाक बात है, “एक गाड़ी भर के पी लो खाँसी नहीं,” सारी अनेक बातें. इसकी अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। ये क्या कर रहे है? यह भरमा रहे है। उनमें से हर एक में

मृत्यु छिपी है। वहां व्हिस्की को पीने में मृत्यु छिपी है; बलात्कार, हत्या, पागलपन, उस बोतल में है। लेकिन फिर भी हमें इसे हमारे कार्यक्रमों के बीच में डालने की अनुमति देते है और इसका विज्ञापन करने देते है जैसे कि "उस प्रकार की शराब जो दादा जी पीते थे। जीवन में अधिक आनंद के लिए," विभिन्न प्रकार की बीयर और मदिरा के लिए अनुमति देते है। यह क्या है? यह भरमा रहे है। यह लोगों के सामने कुछ तो रख रहे है जिसके द्वारा वे खुद को मार डाले। और हमें ऐसा करने की अनुमति देते है।

53 और अब मैं इसे फिर से उसी बात पर ले जाना चाहता हूं। और कलीसियायें मनुष्य के बनाये हुये मत–सिद्धांतों में से होते हुए, मनुष्य के बनाये हुये संप्रदाय लोगों के सामने एक बड़ा दिखावा पेश कर रहे हैं, और वे इसके लिए गिर रहे हैं, जो कि मृत्यु है। कोई भी कलीसिया आपके प्राण को साफ नहीं करेगी। कोई संप्रदाय आपके प्राण को साफ नहीं कर सकता। केवल यीशु मसीह का लहू ही आपके प्राण को साफ़ कर सकता है, परमेश्वर का उपचार, यह प्रमाणित हो चुका है। इसलिए यह बस झूठ है, लेकिन लोग बुद्धिमानों की समझ पर निर्भर रहते हैं, और वे उसी से मर जाते हैं। और आज लोग मत–सिद्धांत और संप्रदायों की—की समझ का सहारा ले रहे हैं, और लाखों वध किए गए सूअरों के समान नरक के अथाह गड्ढे में अपने रास्ते को बना रहे हैं। यह क्या ही शर्म की बात है। हमें हमारी अपनी समझ का सहारा लेने के लिए मना किया गया है। हम कोशिश भी नहीं कर सकते।

54 आप कहते है, "क्या मनुष्य का परिषद इसके विषय में कहने के लिए एक व्यक्ति से अधिक नहीं जानता होगा?" ना ही एक ऐसा व्यक्ति यदि वो परमेश्वर के वचन को बोलता है। एक बार चार सौ भविष्यव्यक्ता दो राजाओं के सामने आए, और उन्होंने अपनी समझ का सहारा लिया। लेकिन वहां पर एक था जो परमेश्वर के वचन के साथ बना रहा और यह साबित हो गया कि वो सही था, मिकायाह। यह इस पर निर्भर करता है कि क्या यह परमेश्वर का वचन है या नहीं। जो कुछ भी वचन के विरोध में गलत है, ये मृत्यु की ओर ले जाता है। कोई भी बुद्धि परमेश्वर की बुद्धि से बढ़कर नहीं हो सकती। वह सारे बुद्धिमानों से सबसे बुद्धिमान है। वह—वह वो सोता है। वह बुद्धि का एकमात्र स्रोत है। हर एक मनुष्य का शब्द मूर्खता और झूठ है, लेकिन परमेश्वर का वचन, यदि यह परमेश्वर के वचन के विपरीत है। अब, यदि व्यक्ति परमेश्वर का वचन बोल रहा है, तो यह—यह अब मनुष्य

का शब्द नहीं है, यह परमेश्वर का वचन है। देखो, यह मनुष्य की समझ नहीं है।

55 शैतान आपसे हर प्रकार की प्रतिज्ञाये करेगा, लेकिन उसके पास आपको देने के लिए कुछ भी नहीं है, क्योंकि उसके पास कुछ भी नहीं है। उसके पास कोई उद्धार नहीं है। शैतान क्या है? जो कुछ भी वचन के विपरीत है। उसके पास उद्धार नहीं है, उसके पास उजियाला नहीं है। उसका राज्य अंधकार है, इसलिए उसका अंत मृत्यु है। अंधकार और मृत्यु शैतान का राज्य है। "भाई ब्रन्हम, इसे फिर से दोहराये। शैतान का राज्य क्या है? " कोई भी चीज जो परमेश्वर के वचन के विपरीत है।

56 अब, यह काट–छांट करता है, लेकिन यह काटने का समय है। देखा? वो डाली, पेड़, यदि यह फलों को लाने जा रहा है, तो उसे अवश्य ही काटा–छांटा जाना है। यही समय है।

57 कोई भी चीज परमेश्वर के वचन के विपरीत है, परमेश्वर के वचन के, तो ये परमेश्वर नहीं है। यह क्या है, पाप क्या है? धार्मिकता का बिगड़ा हुआ रूप। मृत्यु क्या है? जीवन का बिगड़ा हुआ रूप। शैतान का राज्य क्या है? कोई भी चीज जो वचन के स्थान को लेने की कोशिश कर रही है, कुछ भी, कोई भी शिक्षा। एक शब्द, केवल एक शब्द। आप हर एक अंश पर विश्वास कर सकते हैं, हव्वा ने इसके हर एक अंश पर विश्वास किया उस एक वचन को छोड़। अविश्वास करने के लिए उसे केवल एक ही वचन की आवश्यकता थी। वह एक वचन ही है जिसे आपको अविश्वास करने की जरूरत है।

58 अब आइए हम इसे देखें। दिव्य संगति में बने रहने का केवल एक ही तरीका है, जो उस वचन का पालन करने से था। परमेश्वर ने कहा, "तू *ऐसा* करना। तू *ऐसा* नहीं करना। तू *इसे* करना, और तू *इसे* कर सकता हैं और *यह* कर सकता हैं। लेकिन *ऐसा* मत करना।" अब, एक छोटी सी आज्ञा का उसने उल्लंघन किया और सारी चीज को आरंभ कर दिया। क्योंकि उसने ऐसा किया, इसने हर एक बच्चे को भूखा बनाया जो कभी संसार में जन्मा था, मृत्यु की हर एक पीड़ा, हर एक दुख, हर एक हृदय का दौरा। उसने इसे ठीक तभी किया। क्या ही भयानक बात है, परमेश्वर के वचन पर अविश्वास करना। हर एक व्यक्ति जो हर एक मृत्यु के दर्द से कराहता है जो कभी हुआ था या कभी होगा, उसने इसे ठीक तब किया

था। हर एक छोटा बिना विवाह से आया हुआ बालक, उसने इसे ठीक तब किया, हर एक बालक जो... विवाह के बंधन से बाहर जन्मा। जो भी पाप कभी किया गया, उसका कारण वही बनी, क्योंकि उसने हर एक वचन को तो माना, पर यहाँ एक छोटे से स्थान में चूक गई। उसने—उसने तर्क किया। उसने बस... उसने इसे अनदेखा नहीं किया। वह इसे जानती थी, लेकिन उसने बस... उसे कुछ तो बेहतर करने के लिए बहकाया गया था क्योंकि उसे बेहतर वर्ग के लोगों की, बेहतर बुद्धि का वादा किया गया था, कि वो इसके बारे में अधिक जान जाएगी यदि वह *इसे* करती है। "हमारे सेवक बेहतर पढ़े-लिखे हैं। हमारे पास एक बेहतर वर्ग के लोग है।"

59 संसार में उन लोगों से अच्छा कोई वर्ग नहीं है, जो परमेश्वर के वचन का पालन करते हैं। यही सबसे अच्छा वर्ग है। केवल यही वो वर्ग है जिसकी ओर परमेश्वर देखता है। बस कुछ के लिए और हो सकता है परमेश्वर हमें इसके अंदर ले जाए।

60 शैतान का राज्य मृत्यु को छोड़ कुछ वादा नहीं कर सकता है। उसके पास बस यही है। वह मृत्यु का लेखक है। वह झूठ की प्रतिज्ञा कर सकता है क्योंकि वह झूठ का पिता है। वह आपको जीवन नहीं दे सकता। वह आपको स्वर्ग नहीं दे सकता, उसके पास आपको देने के लिए कोई स्वर्ग नहीं है।

61 इस पर ज़रा सोचे! एक वचन, ताकि शैतान के एक वादे या उसके यंत्रावली में से होते हुए परमेश्वर पर अविश्वास करे, एक वचन, जो आपको पीड़ा में डाल देता है। इसी तरह से इसकी शुरुआत हुई। और यदि परमेश्वर, उसकी दया में जैसे कि वो दयालु है, इस धरती पर नरक के ढेर को आने देता है, और ये छोटे-छोटे भूखे बच्चों का कारण बनता है, इसके कारण सभी प्रकार की पीडायें, और भूखे लोग, और धरती पर मृत्यु आ गयी, ये आरंभ में, एक वचन की वजह से हुआ, क्या वह इसे अनदेखा करके इस सारे दुख और पीड़ा को रोक नहीं सकता था? क्या वह ऐसा नहीं कर सकता था? तब यदि उसने वहां एक वचन के लिए क्षमा नहीं किया, यह जानते हुए कि इससे यह परिणाम होगा, तो अब वह एक वचन को कैसे छोड़ेगा, जब कि वह व्यक्ति अकेला ही पीड़ित होने जा रहा है, जो अविश्वास करता है। इस पर सोचे, यह एक अत्यंत गंभीर बात है।

62 अब, जब आदम और हव्वा ने शैतान के झूठ पर कान लगाया, परमेश्वर

के पवित्र स्वरुप ने उन्हें छोड़ दिया, उनकी संगति परमेश्वर के साथ टूट गई। उनकी परमेश्वर के साथ एकत्व की संगति टूट गयी थी। उसी मिनट जब उन्होंने शैतान के झूठ को सुना, जिससे उनकी संगति टूट गयी। और उसी मिनट जब आप शैतान के झूठ को सुनते हैं, तो यह आपकी संगति को तोड़ देगा। यही वो मिनट होता है कि आप परमेश्वर की उपस्थिति से बाहर हो जाते हैं, जैसे वो बाहर हो गयी, यह तब होता है जब आप परमेश्वर के वचन को वैसे ही लेने से चूक जाते है जैसा ये है।

63 अब देखिए, मैं आपसे कुछ तो पूछना चाहता हूं। हम सब जानते हैं कि एक परमेश्वर है। और यदि परमेश्वर अपने वचन के साथ इतना सही है, और इतना दृढ़ निश्चित है कि वह अपने वचन के द्वारा लोगों का न्याय करेगा, तो फिर उसे लोगों का न्याय करने के लिए कहीं न कहीं एक वचन को सुरक्षित रखना होगा। यह बाईबल ही वही है। आप इसे मत भूलना। यह बाईबल ही है जिसके द्वारा परमेश्वर लोगों का न्याय करेगा, क्योंकि इसे प्रकाशितवाक्य 22 में कहा गया, "वह जो इसमें से एक वचन को निकालेगा या इसमें एक शब्द भी जोड़ेगा।"

64 देखिए, बस ऐसे ना कहे, "खैर, मैं—मैं कलीसिया जाता हूं। मैं विश्वास करता हूं। मैं—मैं—मैं परमेश्वर पर विश्वास करता हूं।" क्यों, नरक का हर शैतान उस पर विश्वास करता है। उनमें से हर एक धार्मिक है, हर एक।

65 लेकिन यह बस एक शब्द निकालने की आवश्यकता है, जो ठीक वहीं पर संगति को तोड़ देता है। जंजीर उसकी सबसे कमजोर कड़ी से अधिक मजबूत नहीं होती है। और जहाँ परमेश्वर के वचन पर अविश्वास करने में आपकी कमजोरी है, वहीं आप एक नई कड़ी लगाना चाहते हो, जो बाकी सबके साथ मजबूत हो। यदि आप विश्वास करते हैं कि यीशु मसीह बचाता है, तो आपको अवश्य ही उसमें एक कड़ी को डालना है जो विश्वास करता है कि वह चंगा करता है। यदि आप विश्वास करते हैं कि वह था, तो आपको विश्वास करना ही है कि वो है। हाल्लेलुय्या! यदि आप विश्वास करते हैं कि वह था, और सोच रहे है कि क्या वो है या नही, तो वह कड़ी टूट जाएगी, तब आप नष्ट हो जाते हैं। देखा मेरा क्या मतलब है? यह सख्त है, यह कड़क है, लेकिन यह सच्चाई है। आपको उस पर विश्वास करना ही है, हर एक वचन पर, हर एक चीज पर जो उसने कहा।

66 अब, आप कहते हैं, "तो ठीक है, अब, भाई ब्रन्हम, इन संप्रदायों के

बारे में क्या है?" अच्छा, अब सुनना। यदि वे इस वचन के साथ हैं, तो अच्छी बात है। लेकिन यदि वे उस वचन का इन्कार करते हैं, तो यह सही नहीं है, यह फिर से शैतान है। समझे?

67 "इस *फलां-फलां* कलीसिया के विषय में क्या है?" मैं नहीं जानता कि उस कलीसिया के विषय में क्या है। केवल एक चीज जिसके विषय में मैं जानता हूं वो है ये वचन। अब, आप एक कलीसिया का कैसे विश्वास करेंगे, जब कि वहां नौ सौ और कुछ विभिन्न संप्रदाय है, और हर एक यही कह रहा है, "हमारे संप्रदाय के पास पूरा तरह से सत्य है"?

68 अब आप कहाँ पर जाएंगे? आपको किसी न किसी चीज में तो विश्वास करना होगा। तो ठीक है, आप कहते हैं, "मेरा विश्वास मेथोडिस्ट में है, बैपटिस्ट में, प्रेस्बिटेरियन में, लूथरन में, पेंटीकोस्टल में, कैथोलिक में है," जो कुछ भी ये है। आपको उस संगठन में विश्वास है, और, यदि यह वचन के विपरीत है, तो आप उसी काम को कर रहे हैं जो हव्वा ने किया। बिल्कुल! आप भी वही काम को कर रहे हैं जो उसने किया, परमेश्वर के वचन को लेकर और इसे बनाते है...

69 "ठीक है, यहाँ पर एक अच्छे वर्ग के लोग जाते है। इनकी एक बड़ी इमारत है। वे सबसे चतुर लोग हैं।" इसका इससे कोई लेना-देना नहीं है। शैतान हव्वा से ज्यादा चतुर था। वो तो नहीं... वो तो तस्वीर में भी नहीं थी। लेकिन उसे चतुर नहीं होना चाहिए था, उसे आज्ञाकारी होना चाहिए था। हमें चतुर नहीं होना चाहिए। यीशु ने कहा कि इस संसार की संतान, या, इस संसार का राज्य बहुत अधिक चतुर है, उजियाले की संतान की तुलना में अंधकार की संतान अधिक चतुर है। हमारी तुलना भेड़ से की गयी है। वे भेड़ खुद की अगुवाई भी नहीं कर सकती, उनके पास एक चरवाहा होना चाहिए। परमेश्वर नहीं चाहता कि हम चतुर बनें, वह चाहता है कि हम उसकी समझ का सहारा लें, आमीन, बस जहां वो अगुवाई करके ले जाता है। आमीन। आप तस्वीर को देख रहे हैं? अपनी समझ का सहारा ना लें। नीतिवचन 5, 3। अपनी समझ का सहारा ना लेना, उसकी समझ का सहारा ले। कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह कितना भी विपरीत दिखाई देता हो, और यहां कितनी तेज चमकती हुई रोशनी दिखाई दे, इस पर ध्यान न दें। केवल उसकी समझ का सहारा ले, जो उसने कहा वह सत्य है।

70 अब, परमेश्वर और उसके बच्चों के बीच में संगति की एकता टूट गई

थी, जिस मिनट उसने एक छोटे से अनुच्छेद पर, परमेश्वर के एक छोटे से वचन पर अविश्वास किया। हर कोई यह समझ रहा है, कहे, "आमीन।" [सभा के लोग कहते है, "आमीन।"—सम्पा।] ना ही बाईबल; कहते है, "मैं बाईबल पर पूरा-पूरा विश्वास नहीं करता। मैं इसका आधा विश्वास करता हूं।" हव्वा को इसके हर एक अंश पर विश्वास करना था।

71 इतना ही नहीं, लेकिन पति और पत्नी के बीच की एकता टूट गई थी। मैं विश्वास नहीं करता कि कोई भी विवाह ऐसा हो सकता है जैसा ये होना चाहिए कि पति और पत्नी और परमेश्वर के बीच एकता ना हो। यह सही है। वे संसार में बच्चों को जन्म देकर, और उन्हें नाजायज बना देते है, उन्हें सिगरेट देते है, व्हिस्की देते है, उन्हें अपने सामने ताश खेलने देते है, उनके सामने शराब पीने देते है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे अपने विवाह की प्रतिज्ञाओं के प्रति कितने भी वफादार हो, यह यौन संबंध से है, यह शारीरिक है। लेकिन वहां पर एक आत्मा है, वो एक पापी पिता और मां की आत्मा है, कोई फर्क नहीं पड़ता कि उनके बच्चों के प्रति कितने वफादार है, वहां गलत ही होगा।

72 तो ठीक है, आप कहते हैं, "मैं ऐसे पुरुषों और महिलाओं को जानता हूं जिन्होंने अपने बच्चों को यह नहीं सिखाया, और वे मसीही नहीं है।" उन्हें मसीह की ओर अगुवाई न करना ही ये सबसे गलत बात है जो वे अन्य बातों के अतिरिक्त कर सकते थे; उन्हें मसीह की ओर अगुवाई ना करना, देखो। तो इसके बिना आपके पास एक सही एकता नहीं हो सकती है। संगति टूटी हुई है।

73 फिर जैसे ही आदम और हव्वा के बीच संगति टूट गई... जैसे ही उनकी संगति परमेश्वर और उनके बीच में टूट गई, तब एक दूसरे के बीच की उनकी संगति टूट गई।

74 सुनना! जब भी कलीसिया अपनी संगति को तोड़ती है, जिससे कि स्वयं को एक संगठन में डाल दे, तब विश्वासियों की संगति टूट जाती है। हमें एक ह्रदय, एक मन और एक चित्त होकर विश्वास करना है। वे पेंटीकोस्ट के दिन उस एकता के स्थापित होने से पहले वे ऐसे ही थे; एक हृदय, एक मन, और एक चित्त। और जब आप एक कलीसिया को एक संगठन में डाल देते हैं, तो आप इसमें सभी प्रकार के मतभेद लेकर आते हैं। क्योंकि, उनमें से कुछ बच्चे वहां परमेश्वर में विश्वास करेंगे, वे उस चीज

को थामे रहेंगे जो सही है, और बाकी लोग दूसरे रास्ते में चले जायेंगे। इसलिए, आपके पास कोई संगति नहीं होती है। जी हां।

75 क्या? उसकी सोच बदल गई। ओह, हाँ, उसकी सोच बदल गई। अपने पति के साथ उसकी संगति सही नहीं थी। वे एक दूसरे पर दोष डालने लगे। देखा? उसकी सोच असल में बदल गई थी। क्यों? उसके अंदर शैतान का जीवन था। बिल्कुल! जैसे ही उसने परमेश्वर के वचन पर अविश्वास किया, उसने शैतान का जीवन स्वीकार कर लिया क्योंकि उसने उसकी शिक्षा को स्वीकार किया।

76 मैं यहाँ इस बात को बहुत कठोरता से कह सकता हूं, लेकिन यह टेप हो रहा है। मुझे यकीन है कि आप समझ गए होंगे, कलीसिया।

77 उसने परमेश्वर के वचन पर अविश्वास किया और इसने उसे परमेश्वर से अलग कर दिया, क्योंकि ठीक तभी उसके अंदर शैतान का जीवन था। उसने उसके झूठ पर विश्वास किया था, कहा, "फल अच्छे हैं," और वो भी उसके साथ भागीदार हुई। यह सही है।

78 मैं इस बात को रोक कर नहीं रखूंगा, मैं इसे किसी भी तरह से बोलूंगा। बस नहीं रोक सकता। एक दिन केलिफोर्निया में, मेरा मतलब एरीजोना में, मैं एक कलीसिया में शिक्षा दे रहा था। मैंने कभी भी प्रेरणा में आकर ऐसा कुछ भी नहीं कहा जिस बात को मुझे कभी वापस लेना पड़ा हो। बहुत से सेवक मेरे पीछे पड़ गये शैतान के बीज के विषय को लेकर, सर्प का बीज। "वह स्त्री, वो एक सेब को खा रही थी।" ओह! जो कि, खैर, कैन ने उसी चीज को सोचकर, उसने खेत के फलों को वहां लेकर आया, आप देखिए। यह कोई सेब नहीं था! उसे कैसे एहसास हुआ कि वह नग्न थी? हमने इन बातों को बताया हैं। यह असल में एक यौन संबंध था। निश्चय ही, ऐसा था, उसे एहसास हुआ कि वह नग्न थी। और सर्प से उसका एक बालक हुआ था, जो कि एक सर्प नहीं था, वह सारे पशुओं में सबसे अधिक धूर्त पशु था। वह लगभग एक मनुष्य के समान ही था। मनुष्य बंदरों और चिंपैंजी—चिंपैंजी और इत्यादि की खोज कर सकता है, लेकिन वे उस कड़ी को नहीं पा सकते हैं जो मनुष्य और पशु को एक साथ जोड़ती है। वहां है वो। परमेश्वर ने उसे इतना श्रापित किया कि वह फिर से वापस नहीं आ सकता है, यह उसके किए हुए इस दुष्ट कार्य का परिणाम है। केवल वही वो बीज था जो मिश्रित हो सकता था।

79 अब, उस दिन, मैं खड़े होकर, प्रचार कर रहा था, मेरी सभा के लोगों में कैथोलिक लोगों का एक झुंड था, और मैंने कहा, "आप कैथोलिक लोग जो यीशु को कहते हैं, या, मेरा मतलब, मरियम को 'परमेश्वर की माता,' कहते हैं परमेश्वर की माता कैसे हो सकती है, जबकि वह तो अनंत है? उसकी कोई मां नहीं हो सकती। यीशु यहाँ तक मरियम का कोई नहीं था, लेकिन वह बस... वह तो केवल एक साधन थी जिसके द्वारा वह संसार में आया।"

80 तो ठीक है, उन्होंने हमेशा ही विश्वास किया, और मुझे खुद भी वर्षों पहले इसका एक विचार आया था, कि वो—वो शुद्ध गर्भधारण था कि परमेश्वर ने उस पर छाया की और वहां एक लहू की कोशिका डाल दी, लेकिन अंडा स्त्री से आता है। यदि अंडा स्त्री से आता है, तो वहां एक उत्तेजना को आना होगा ताकि अंडे को नली के जरिये से गर्भ में लाया जाए। देखा आप परमेश्वर के साथ क्या करते हैं? आप एक यौन–संबंध की गंदगी में उसे बनाते हैं। परमेश्वर, जिसने लहू की कोशिका को बनाया, अंडे को भी बनाया। डॉक्टर, वहां नर और मादा दोनों के पराग कण को होना है। यह सही है।

81 तो ठीक है, तब, यदि इस स्त्री ने अंडे को उत्पन्न किया, तब दाऊद कैसे कह सकता है, "मैं अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं दूंगा, ना ही मैं उसके प्राण को अधोलोक में छोड़ूंगा"? तब यदि स्त्री का अंडा मसीह में था, तब तो उस व्यक्ति का मसीह के पुनरुत्थान में उसका अपना कोई भाग होने के साथ कुछ लेना–देना है, जब कि यह सम्पूर्ण रूप से परमेश्वर के साथ पूर्ण हो जाता है। परमेश्वर ने एक व्यक्ति के लैंगिक भाग को उठाकर क्यों खड़ा किया? पुनरुत्थान में, क्यों उसने उसकी देह को सड़ने के लिए नहीं छोड़ा? क्योंकि वो पवित्र था। और यदि उसका मरियम से गर्भधारण होता तो वह भला पवित्र कैसे हो सकता था, और कैसे पराग–कण मरियम से आया, अंडा उस नली के जरिये से गर्भ के अंदर चला गया? अंडे को वहां अंदर जाने के लिए कुछ संवेदना या अनुभूति होनी चाहिए। तब तो वो स्त्री होगी...

82 तो ठीक है, आप कहते हैं, "हो सकता है अंडा वहां पर पड़ा हुआ हो। ऐसा संभव हो सकता है।" लेकिन यह, यदि ऐसा है, तब देखो यहाँ क्या होता है, तब वह कुल मिलाकर परमेश्वर नहीं था। वह परमेश्वर नहीं था,

बल्कि वह मनुष्य था। लेकिन तब यदि ऐसा है, तो उस स्त्री में जरूर कुछ तो था। और वो—वो वास्तविक बीज जो मरियम से आया, जो उसकी माँ से आया, और उसकी माँ से, और उसकी माँ से, इसमें कुछ तो मानवीय मिश्रण था, एक मनुष्य की इच्छा के साथ। ऐसा नहीं हो सकता था। नहीं, श्रीमान। मैंने कहा, “वह... वह केवल... ”

83 ठीक जैसे आप उकाब को ले और उसे एक अंडे को देने दे, और फिर उसे मुर्गी के नीचे रख दे, मुर्गी अंडे को सेन कर बच्चे निकालेगी, वह केवल अंडे सेने की मशीन है। लेकिन इसमें उसका एक कण भी नहीं है, वो उकाब है, यह एक मुर्गी है। नहीं, श्रीमान। वो मुर्गी... आप एक छोटे से कुत्ते के बच्चे को एक—एक चिडियां के अंडे के ऊपर बैठा सकते हैं, और ये सेनकर चिडियां को ही निकालेगा, छोटा सा कुत्ते का बच्चा इसे करेगा। यह तो शरीर की गर्मी होती है जिसने अंडे को सेनकर जन्म दिया।

84 और इसी तरह से यही बात यीशु के साथ भी है। मरियम तो बस अंडे सेने की मशीन थी। परमेश्वर ने उसका उपयोग वैसे ही किया जैसे वह किसी अन्य महिला के साथ करता है। वह कुंवारी थी, उसकी कोई संतान नहीं थी। वह एक कुंवारी के गर्भ से आया, लेकिन परमेश्वर उस सृष्टिकर्ता ने अंडे और जीवाणु दोनों को बनाया, इसकी सृष्टी की। इसलिए, यह बेदाग गर्भधारणा थी।

85 जब मैं बाहर निकला, निश्चय ही, आप जानते हैं कि भाई लोग मेरी प्रतीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा, “भाई ब्रन्हम, मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं। आपने एक गलती की है। अब हमने आपकी गलती को पकड़ लिया है।”

मैंने कहा, “तो ठीक है, यही है जो मैं चाहता हूं कि गलती को पकड़ा जाये।”

86 और कहा, “आपने यह कहकर गलती की है, जब आपने *सर्प के बीज* पर प्रचार किया। अब आप कहते हैं कि—कि वो जो अंडा था... परमेश्वर ने उस अंडे की की सृष्टी की। क्या हुआ, हम यहां देखते है उस उत्पत्ति के 3रे अध्याय में, परमेश्वर ने मरियम से कहा, ‘मैं तेरे बीज और सर्प के बीज के बीच में बैर उत्पन्न करूंगा।’”

87 मैंने सोचा, “ओह, प्रभु!” मैंने अपने जीवन में कभी भी प्रेरणा के नीचे ऐसा कुछ भी प्रचार नहीं किया, जिसे मुझे वापस लेना पड़ा हो, क्योंकि मैं अपनी खुद की समझ पर निर्भर नहीं रहता हूं। और यदि मेरी समझ

परमेश्वर के वचन के विपरीत है, तो मेरी समझ गलत है। इसे परमेश्वर का वचन होना है। यदि ऐसा नहीं है, तो इसे छोड़ दें, यह सही नहीं है। लेकिन अब इसे गलत ठहराना ही उचित है। मेरे ह्रदय में, मैंने कहा, "स्वर्गीय पिता, आप मेरी सहायता करें। मैं नहीं जानता कि यहाँ क्या करूं। मनुष्य के पास वचन है, जिस पर वो अपनी उंगली उठा रहा है, 'मैं तेरे बीज और सर्प के बीज के बीच में बैर उत्पन्न करूंगा।'"

88 अब, यहाँ है ये! पवित्र आत्मा वहां पर आ गया। मैं उसी एक पर विश्वास करता हूं जो मरियम पर छाया कर सकता है, जो सृष्टि कर सकता है, वही आपके मुंह में भी एक वचन को डाल सकता है। मैं प्रतिदिन उस पर निर्भर रहता हूं। और यह हमेशा ही उसका वचन होता है। वह नहीं कह सकता… वो कुछ तो उसके वचन के विपरीत नही कह सकता। फिर यदि आप कहते हैं कि आप अभिषिक्त हैं, और परमेश्वर के सत्य के विरोध में प्रचार करते हो, तब यह पवित्र आत्मा का अभिषेक नहीं है। क्योंकि, जब पवित्र आत्मा आप पर छाया करता है, तो वो उसी चीज को लाता है, क्योंकि यह वचन है।

89 सुनना। क्या हुआ? मैंने कहा, "तो ठीक है, मैं आपसे कुछ तो पूछना चाहता हूं। स्त्री के पास कोई अंडा नहीं है। उसके पास कोई बीज नहीं है। अब उसने कहा, ना ही, 'एक अंडा,' उसने कहा, 'तेरा बीज।' और उसके पास कोई बीज नहीं था।"

90 बीज को बनाने के लिए एक मिलन की आवश्यकता होती है। क्या यह सही है, डॉक्टर? होना ही है। यदि आपके पास यहाँ बहुत सारा गूदा है, उसमें कोई भी जीवन नहीं है, और आप उसे यहाँ पर बोते है, यह—यह कभी भी नहीं उगेगा, यह वहीं पड़ा–पड़ा सड़ जाएगा। और आप गूदे के बिना जीवन को भी नहीं बो सकते। तो, आप देखते हैं, सारी चीज एक मिलन की है। अब मैं आपको मसीह और कलीसिया के विषय में बताने का प्रयास कर रहा हूं। यह एक मिलन है। देखो, यदि स्त्री स्वयं ही बीज होती तो उसे पुरुष की आवश्यकता नहीं होती, वो अपने बालक को स्वयं से ही उत्पन्न कर सकती थी। लेकिन वो ऐसा नहीं कर सकती, उसके पास बालक नहीं हो सकता है, जब तक वो पुरुष के साथ एक ना हुई हो, क्योंकि एक बीज को बनाने के लिए दोनों की आवश्यकता होती है। क्या यह सही है? एक ऐसे बीज को बोये जिसमें कोई जीवन ना हो, तब देखो क्या होगा।

91 जैसे वे यहाँ यह कहते हैं कि कोई स्त्री इन कुत्तों को जन्म दे रही है। देखो, यह जीवित नहीं रह सकता है। ऐसा नहीं हो सकता है, क्योंकि, देखो, पराग कण मिश्रित नहीं हो सकते।

92 अब, अब इस पर ध्यान दें, वह—वह स्त्री एक बीज नहीं थी। इसलिए, उसने कहा, "मैं तेरे बीज और सर्प के बीज के बीच में बैर उत्पन्न करूंगा।" उसे बता रहा था कि वो जा रहा था, स्वयं, ताकि उसे एक बीज को दे, ना कि शारीरिक संबंध के जरिये से। वह उसमें एक बीज की सृष्टि करने जा रहा था। तो ठीक है, आप कहते हैं, "क्या वो उसका बीज होगा? " जी हां। जब वह इसे मरियम को देगा तो यह उसी का होगा। यह मेरी आंख है, उसने मुझे इसे दिया है। यह मेरी आंख है, लेकिन उसने मुझे इसे दिया है। यह मेरा हाथ है, उसने इसे मुझे दिया है। यह मेरी आवाज है, लेकिन उसने मुझे इसे दिया है। समझे? और वो बीज जो था, मरियम... इसका मरियम से कोई लेना-देना नहीं था। यह कुछ तो था जिसे स्वयं परमेश्वर ने दिया था।

93 इसलिए वह बीज जो तब हव्वा के अंदर था, जो एक अवैध क्रिया का एक मिलन था, जो कि मृत्यु थी। वह पहले से ही सर्प के बीज से गर्भवती थी, क्योंकि वह उसके साथ रही थी... और वह मुड़ी और उसने स्वयं ही कहा, "सर्प ने मुझे बहकाया।" यह सही है। और, तुरंत ही, कैन आ गया।

94 ओह, हम जानते हैं कि उसने कहा था कि उसने परमेश्वर से एक बालक पाया है। निश्चय ही, हर एक बालक जो जन्म लेता है, अवैध या जो कुछ भी और है, इसे परमेश्वर की व्यवस्था के द्वारा ही आना होता है। केवल वही वो एक है जो जीवन को बना सकता है। निश्चित रूप से। यह सही है।

95 देखो, वो पहले से ही मां बनने वाली थी। और वो कभी नहीं... केवल इसने जो किया, सर्प के बीज की बात को स्पष्ट कर दिया। "वो बीज जो अब तुम में है, यह गर्भधारणा के द्वारा है, तुमने मेरे वचन के विरुद्ध अवैध क्रिया की है, यहाँ इस चीज के साथ, और अब तुम सर्प के बीज को ले चुकी हो। लेकिन मैं तुम्हें बेदाग गर्भाधारणा के द्वारा एक बीज दूंगा, और उसका बीज सर्प के सिर को कुचलेगा, और उसका सिर उसकी एड़ी को डसेगा।" आमीन। बस परमेश्वर को ऐसा करने दो, यदि यह उसका वचन है वह इसे पूरा करेगा।

96 यही कारण है कि आपको परमेश्वर के साथ एक होना होगा। यही वो कारण है कि पतरस ने पेंटीकोस्ट के दिन कहा, यीशु के ऐसा कहने के बाद, "उन्हें पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा के नाम में बपतिस्मा दो," पतरस ने पीछे पलटकर और कहा, "उन्हें यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा दो," क्योंकि पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा का नाम प्रभु यीशु मसीह है। इसे समझे? इसके लिए एक एकता की आवश्यकता है।

97 पौलुस ने कभी पतरस को नहीं देखा था, लेकिन वही पवित्र आत्मा, उसी एकता में (महिमा हो!), उसे उसी बात को कहने की प्रेरणा दी। "क्या तुमने पवित्र आत्मा पाया जब से तुमने विश्वास किया?"

उसने कहा, "हमें तो यह भी पता नहीं कि ऐसा कुछ है।"

कहा, "तुम्हारा बपतिस्मा कैसे हुआ था?"

कहा, "यूहन्ना के निमित।"

98 कहा, "तुम्हें यीशु मसीह के नाम में फिर से बपतिस्मा लेना होगा।" और उन्होंने पवित्र आत्मा को पाया।

99 यह क्या था? एकता, उसी बात को कह रहा है जो परमेश्वर कहता है! और यही अंगीकार करना है। *अंगीकार* का अर्थ होता है "उसी बात को कहना।" और वह हमारे अंगीकार करने का महायाजक है, कि जो उसने कहा है उस पर कार्य करे। हम कहते हैं कि यह सच्चाई है, और वह इस पर कार्य करता है। ओह, प्रभु! वहां आप है। वहां वो गर्भधारणा है।

100 अब देखो कि कैसे वो—वो—उसके और उसके पति के बीच की एकता टूट गई थी। देखो, जल्दी से, जैसे ही परमेश्वर ने कहा, "आदम, तुमने यह कैसे किया?" अपनी पत्नी का पक्ष लेने के बजाय, उसने दोष अपनी पत्नी पर डाल दिया। "वह स्त्री जो आपने मुझे दी थी।" एकता टूट गयी। समझे?

101 हव्वा ने क्या किया? अपने पति से प्रेम करने और सच बोलने के बजाय, उसने झूठ बोला। उसे—उसे—उसे—उसे कहना चाहिए था, "उसका पति निर्दोष है, उसे मैंने दिया।" आमीन। बाईबल ने कहा, "उसने अपने पति को दिया।" उसे कहना चाहिए था, "वह पुरुष निर्दोष है। मैंने उसे दिया और फिर उसने भी खाया, लेकिन मैं ही वो एक हूं जिसने इसे उसे

दिया था।” बजाय इसके, उसने दोष को सर्प पर डाल दिया, जो सबसे निकट का माध्यम था।

102 यही वो चीज है वे आज करने की कोशिश कर रहे हैं। देखो, पति–पत्नी की एकता टूट गयी। पति और पत्नी, उनके बीच संगति टूट गई थी। उनका एकत्व टूट गया था, उनके और परमेश्वर के बीच का एकत्व टूट गया था। सारी चीज बिगड़ गई थी। क्यों? क्योंकि एक वचन पर अविश्वास किया गया था। ओह, भाई, प्रभु! जी हाँ, उसे सच को बताना चाहिए था। उसके और उसके पति के बीच का एकत्व खत्म हो चुका था, और उनका और परमेश्वर का एकत्व खत्म हो चुका था। और हर कलीसिया जो परमेश्वर के सम्पूर्ण वचन को नहीं लेती है, वहां पर वही चीज घटित होती है। मैं इसे पसंद करता हूं, क्या आप नहीं करते?

103 उसके पहिलौठे पर ध्यान दे, कैन, एक हत्यारा, एक झूठा, एक धोखेबाज, ईर्ष्यालु, अपने भाई से ईर्ष्या करने वाला। उसके भाई ने परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन किया, और परमेश्वर ने एक बलिदान को घात करके उनके लिए प्रायश्चित को ठहराया था। अब शैतान की अज्ञानता को देखिए, उसने किसी चीज से इसे बदलने की कोशिश की। परमेश्वर, बाईबल कहती है, उसने जाकर उन खाल से ढांकने के वस्त्रों को बनाया; खाल को पाने के लिए, किसी चीज को मरना होता है। आदम ने अपने लिए अंजीर के पत्तों से कुछ ढांकने के वस्त्र बनाने की कोशिश की। यह काम नहीं करेगा, ये वनस्पति जीवन है। जीवन, चलते–फिरते जीवन को मरना था। इसलिए एक नीचले प्रकार के जीवन को मार डाला, और वहां पर बता रहा था कि “किसी दिन मेरा अपना जीवन तुम्हारे लिए दिया जाएगा, वो सच्चा जीवन जो फिर से इस एकता में खींच कर लाएगा।” अब, परमेश्वर ने चाहा तो, हम इसे कुछ ही मिनटों में ले लेंगे। “देखो, यहाँ एक मेमने का जीवन है। अब, तुम इसे अपने चारों ओर लपेट लो और अपने नग्नता को छिपा लो।” “तुम्हें सेब नहीं खाना चाहिए”? ये बकवास है! देखा? “इस खाल को अपने चारों ओर लपेट लो।” उसे किसी को तो मारना था।

104 और शैतान का पुत्र, उस तरह से नहीं आया जिस तरह से वो चाहता था, पर वह आया। आप इसे जो भी कहना चाहे, लेकिन यह शैतान का पुत्र था, क्योंकि परमेश्वर के लिए आदम की पवित्रता इस प्रकार की चीज को नहीं ला सकती थी। ध्यान दें कि शैतान का पुत्र, प्रायश्चित को बनाने का

प्रयास कर रहा है, उसी चीज के साथ वापस आया जो आज अधिकांश लोग कहते हैं, एक सेब का ढेर और भूमि के फल, जिससे कि एक प्रायश्चित के लिए एक भेंट को चढ़ाये, एक प्रतिकार।

105 और धर्मी हाबिल ने क्या किया? वह जानता था कि ये ऐसी कोई चीज नहीं थी जैसे सेब को खाना। वह अपने माता और पिता का लहू था, उनका जीवन था। इसलिए उसने एक मेमने को लाया, ठीक वैसे ही जैसे परमेश्वर ने किया। हाल्लेलुय्या! उसने परमेश्वर के वचन का पालन किया, और कैन उससे ईर्ष्या रखता था।

106 आज भी वही बात है! उस लहू की बलि में आये, वो परमेश्वर का वचन ठीक जैसा ये कहता है, ठीक इसके साथ बने रहे। उनमें से बहुत से लोग उस लहू की बलि का विश्वास करेंगे, निश्चय ही, लेकिन वचन में कुछ तो और कहते है, वे कहते हैं, "ओह, नहीं, मैं इसका विश्वास नहीं करता। हूं–हुंह, यह—यह किसी और दिन के लिए है।" वही पुराना शैतान, वही पुरानी चाल! रुके रहना जब तक हम इसमें से होकर नहीं जाते है। ध्यान दें, वह ठीक उसी तरह से नीचे आया।

107 लेकिन कैन ने, उसकी मूर्खता के तरीको से, ना ही इतनी मूर्खता, लेकिन उसके चालाकी के तरीको से, भरमाया, और फल को लेकर आया। आदम ने पालन... हाबिल ने परमेश्वर के वचन का पालन किया, वो एक मेमने को लाया। परमेश्वर ने कहा, "यह सही है, आदम, तुमने... मतलब, हाबिल, तुमने मेरे वचन का पालन किया है।" "कैन, तुम जानते थे कि यह सही नहीं है... क्या मैंने कोई अंजीर के पत्ते लिए थे जैसा तुम्हारे पिता ने करने का प्रयास किया? तुम्हारे पास एक अंजीर के फलों का ढेर है या अंगूर या सेब या जो कुछ भी यहाँ तुम्हारे पास है। और अब तुम्हारे पिता ने पेड़ से पत्तियों को लिया, ताकि प्रायश्चित को बनाने की कोशिश करे, और यहां तुम पेड़ पर से फल को तोड़ कर लाने की कोशिश कर रहे हो।" यह वो नहीं था! यह तो जीवन का लहू था।

108 ओह, परमेश्वर ने इसे नीचे लाया, कहा, "यहाँ है ये।" और हाबिल ने सही भेंट को चढ़ाया। तब उसके भाई ने उससे ईर्ष्या की थी। देखो उसने क्या किया, उसने अपने भाई को मार डाला। परमेश्वर ने दूसरे एक को खड़ा किया; जैसे मृत्यु, गाड़ा जाना और मसीह का पुनरुत्थान। देखो। तब परमेश्वर, उसका... उसने आदम और हव्वा को क्या बताया? "आगे

बढ़ो और फूलों–फलों और पृथ्वी में भर जाओ।" सारी पृथ्वी पर मनुष्य जाति को बिखेर दो, जिससे कि वह उनसे व्यक्तिगत रूप से व्यवहार कर सके यहाँ तक कि वह उन्हें वापस एक साथ ला सके। वो लोगों के साथ व्यक्तिगत रूप में, प्रत्येक व्यक्ति के साथ व्यवहार करता है। लेकिन वे इसे इस तरह से नहीं चाहते थे।

109 इस प्रकाशन से मत चूकना। परमेश्वर, इसे होने दे। होने पाए आप इसे उसी तरह से देख सके जिस तरह से मैं इसे देख रहा हूं।

110 देखो, यह ऐसा नहीं था, परमेश्वर किसी व्यक्ति के साथ एक झुंड में व्यवहार नहीं करता है। परमेश्वर आपके साथ एक संगठन में व्यवहार नहीं करता है। वह आपके साथ एक व्यक्तिगत रूप में व्यवहार करता है, एक व्यक्तिगत। व्यक्तिगत रूप से हमने पवित्र आत्मा से बपतिस्मा लिया है। सामूहिक रूप से, जब हम पवित्र आत्मा से बपतिस्मा लेते हैं, तो हम शरीर में बपतिस्मा लेते हैं। व्यक्तिगत रूप से, हर एक ने पवित्र आत्मा से बपतिस्मा लिया, परमेश्वर हर एक के साथ व्यवहार करता है। यही उसका उद्देश्य था, उन्हें सारी धरती पर फैला देना ताकि वह उनके साथ व्यक्तिगत रूप से व्यवहार कर सके।

111 लेकिन बजाय इसके, क्या हुआ? परमेश्वर को कैन के लोगों को, शेत के लोगों से अलग करना था। उसने कैन को दूर भेज दिया। उसने उन्हें अलग किया जिससे कि वह उसकी कलीसिया के साथ व्यवहार कर सके। देखो। कैन अलग किया गया था। अब ध्यान दे। परमेश्वर ने हव्वा के उस दुष्ट कैन को आदम के उस पवित्र शेत से अलग किया। ओह! क्या उसने ऐसा किया? एक अवैध क्रिया के जरिये से, यह स्त्री किसी और के साथ रहकर और एक बालक को जन्म दिया। परमेश्वर ने उस बालक और उसकी पीढ़ियों को, इस धर्मी और पवित्र मनुष्य, और उसकी संतान से अलग कर दिया।

112 आज भी यही बात है, अलग करते हुए, अलग किये गये, उन्हें पाया गया, कि वे एकता में नहीं थे। उनके पास कोई एकता नहीं हो सकती थी। क्या रात की दिन के साथ एकता हो सकती है? क्या एक विश्वासी के साथ अविश्वासी की एकता हो सकती है? क्या एक मनुष्य जो परमेश्वर के सारे वचन में विश्वास करता है उनके साथ एक हो सकता है जो केवल परमेश्वर के वचन के कुछ भाग का ही विश्वास करता हैं? परमेश्वर अलगाव को

चाहता है।

113 अब, कैन हव्वा का पुत्र था, उसने कहा, “मुझे एक पुत्र हुआ है।” लेकिन शेत आदम का पुत्र था। और परमेश्वर ने उन्हें अलग किया क्योंकि वह नहीं... क्यों, वे एक–दूसरे को भ्रष्ट कर देंगे, कैन की दुष्ट संतान शेत की अच्छी संतान को भ्रष्ट कर देगी। यह सही है।

114 अब देखो! और वही पुराना शैतान जिसने हव्वा को परमेश्वर के एक वचन पर अविश्वास करने का कारण बना, और उनसे कहा कि खुद को एक दूसरे से अलग करो और हर एक भिन्न तरह से जीये, वही शैतान उनके बीच में आकर और उन्हें फिर से एक साथ लेकर आया। क्या आप इसे समझ गए? कहे, “आमीन,” यदि आपने समझ लिया। [सभा कहती है, “आमीन।”—सम्पा।] उसने उन्हें फिर से एक साथ एक झूठी एकता के नीचे लाया, परमेश्वर का एक कार्य... परमेश्वर की योजना के विरुद्ध कार्य था। क्या हुआ? उसने यह कैसे किया? “परमेश्वर के पुत्रों ने,” बाईबल ने कहा, उत्पत्ति में, “मनुष्य की पुत्रियों को देखा।” परमेश्वर के पुत्र, शेत के पुत्रों ने, मनुष्य की पुत्रियों को देखा, कैन के बच्चों को, वे कितनी सुंदर थीं। हुंह! और, उन्होंने क्या किया, वे उनके झांसे में आ गये! और उन्होंने खुद को फिर से एक साथ एक कर लिया, सुंदरता के कारण, कि “वे दिखने में सुंदर थी।”

115 आज भी वही बात है! भाइयों, यहां आप है। आप पेंटीकोस्टल के कमजोर लोगों, वे जिन्हें परमेश्वर ने अलग किया और आपको एक अंतरसंप्रदाय बनने के लिए बाहर भेजा! आप पेंटीकोस्ट को संप्रदाय नहीं कर सकते। आपको उसके लोग बनने के लिए बाहर भेजा। लेकिन आपने बड़ी–बड़ी अच्छी कलीसियाओं और धर्मज्ञान को देखा, आपने अपने लिए बहुत से बड़े–बड़े स्कूल और अन्य चीजें भी बना ली हैं। और आपने क्या किया? आपने परमेश्वर के लोगों को संगठन के साथ फिर से एक कर दिया है, जो कि, इसकी बुनियाद वही कैथोलिकवाद है। सुंदर, बड़ी–बड़ी कलीसियाये, अच्छे कपड़े पहने हुए लोग, इसमें शहर के मेयर और बाकी सभी लोग आते हैं, सबसे अच्छे कपड़े पहने हुए, उत्तम शिक्षा पाए हुए, उच्च धर्मज्ञानी, जो जानता है कि कैसे एक ऐसे स्थान पर आना है जहां हर कोई बहुत ही शानदार कपड़े पहनता है, और पास्टर अपने स्थान पर बिल्कुल सही खड़ा रहता है। यह क्या है? आप उन चीजों की ओर देख रहे

हैं जिन्हें परमेश्वर ने दोषी ठहराया है। और आपने पेंटीकोस्टल कलीसिया को लिया है (परमेश्वर, इसे टेप तक पहुंचने दो!) और इसे एक संगठन के अंदर एक कर दिया। परमेश्वर कभी नहीं चाहता था कि यह एक हो जाए, वह इसे अलग करना चाहता था; नही चाहता था संसार के साथ कभी एक हो।

116 वही पुराना शैतान जिसने हव्वा को परमेश्वर के वचन पर अविश्वास करने का कारण बना और उसके साथ बुरा किया, सीधे वहां वापस आकर और शेत के बच्चों को ले लिया और उन्हें कैन की इन सुंदर स्त्रियों को दिखाया, और वे फिर से एक हो गए। और वे अविश्वासी नहीं थे। वे साम्यवादी नहीं थे। नहीं, नहीं। वे विश्वासी थे। उन्होंने कहा, "अब शायद हो सकता है प्रभु कुछ तो करे।" या, ओह, इसे इस तरह से करे। वे—वे... उन्होंने सोचा कि वे वही कर रहे हैं जो सही है। और परमेश्वर को क्या करना था? सारी चीजों को मिटाना था, उसे सारी चीजों को मिटा देना था। झूठी एकता के नीचे! उसे बाढ़ को भेजना था और सारे झुंड को नष्ट करना था। उस झूठी एकता के लिए न्याय आ गया। एक झूठी एकता के कारण अदन पर न्याय उतरा।

अब, क्या सर्प के पास कोई बीज था? आप पर शर्म आती है।

117 एक झूठी एकता ने धरती पर न्याय को लाया, अदन में, हव्वा और आदम के लिए। और एक झूठी एकता ने धरती पर परमेश्वर के न्याय की बाढ़ को लाया क्योंकि कैन की पुत्रियों ने परमेश्वर के पुत्रों को अपने सौन्दर्य से मोहित किया, और वे इसके झांसे में आ गये और फिर से एक साथ एक हो गये। आप वहां है। झूठी एकता, "कुछ भी नहीं हो सकता।" परमेश्वर ने क्या किया? उसने सारी चीजों को नष्ट कर दिया, सिवाय अनमोल बूढ़े नूह और उसके परिवार के। वह... वे एकसाथ हो गए।

118 और उसके बाद फिर से, नूह मृत्यु के बाद, और वो नूह का आत्मिक परिवार, पहली बात जो आप जानते हैं, मनुष्य की संताने फिर से एक दूसरे की ओर देखने लगती हैं। उन्होंने क्या किया? उन्होंने कहा, "अब, हम अविश्वासी नहीं हैं, हम सभी परमेश्वर में विश्वास करते हैं।" इसलिए उनके पास एक व्यक्ति था, एक अगुवा, कोई महान आर्कबिशप जिसका नाम निम्रोद था, और उन्होंने एक मीनार को बनाया। वे अविश्वासी नहीं थे। उन्होंने विश्वास किया कि वहां एक स्वर्ग है। उन्होंने विश्वास किया

कि वहां एक नरक है। वे न्याय में विश्वास करते थे। लेकिन परमेश्वर की संतान ने फिर से मनुष्य की पुत्रियों के साथ, और उन्होंने अपने आप में एक सम्बन्ध बना लिया, झूठे तरीके से, और एक बहुत बड़ा गिरजाघर बनाया, एक बहुत बड़ा संगठन, और अन्य सभी स्थानों पर बाबुल के लिए—के लिए थे, इसके लिए श्रद्धा अर्पित करना था।

119 और उन्होंने कहा, "मैं तुम्हें बताता हूं कि हम क्या कर सकते हैं। तुम जानते हो कि हम चतुर हैं।" उन्हें वह बुद्धि कहां से मिली? शैतान से। बिल्कुल ऐसा ही है। उन्हें यह शैतान से मिली थी जैसे—जैसे हव्वा को मिली। इसे शैतान से मिली। इसलिए उन्होंने कहा, "हम अपने लिए एक संगठन बनाएंगे, हम परमेश्वर को प्रसन्न करेंगे। और मैं आपको बताता हूं कि हम क्या करेंगे, हमारे पास छोटी–छोटी सीढ़ियां होंगी। हम दौड़ कर ऊपर जायेंगे और गाएंगे और स्वर्गदूतों के साथ आनंद करेंगे, और यहां वापस आकर और जिस तरह से हम जीना चाहते हैं, वैसे ही जीयेंगे।" वो शैतान अभी भी जिंदा है। समझे? यह परमेश्वर की आज्ञाओं के विरुद्ध था। उन्होंने उसकी आज्ञाओं का पालन नहीं किया। परमेश्वर ने क्या किया? ठीक है, उन्होंने बाबुल की एक मीनार को फिर से बनाया, जो फिर से झूठ था, इसलिए परमेश्वर ने उन्हें उलझन में डाल दिया और उन्हें अलग कर दिया।

120 परमेश्वर ने फिर से अलग किया और उसने भले बूढ़े धर्मी अब्राहम को भेजा, कहा, "मैं तुम्हें लेकर और तुम में से एक राष्ट्र बनाऊंगा।" परमेश्वर ने उन्हें अलग किया। "अब्राहम, उनके बीच में से निकल आ, सब कुछ पीछे छोड़ दे।" और परमेश्वर ने उसे तब तक आशीषित नहीं किया, जब तक कि उन्होंने हर एक चीज को पीछे नहीं छोड़ दिया, लूत अंतिम था। "बाहर निकलो, अब्राहम, उन अविश्वासीयों से अलग हो जा। और मैं तुम्हें लेकर और तुम में से एक राष्ट्र बनाऊंगा। मैं ऐसी जाति को बनाऊंगा जो मेरी आज्ञाओं को मानेंगे। मैं उन्हें एक और मौका दूंगा।"

121 भला बूढ़ा अब्राहम एक अजनबी देश में परदेशी होकर रहने को चला गया। यही है जो हर एक अब्राहम करता है, एक अजनबी देश में परदेशी होकर रहता है। क्या? एक ऐसी प्रतिज्ञा पर विश्वास करता है, जो मानवीय दृष्टि में असंभव है। आपको क्या लगता हैं, उन आधुनिक कैन के डॉक्टरों ने उस दिन क्या कहा होगा? "व्यूह, ओह, एक बूढ़ा मनुष्य, जो सौ वर्ष

की उम्र का है, अपने नब्बे साल की पत्नी से एक बालक को प्राप्त करेगा? ओह, क्या ही हास्यास्पद बात है!" लेकिन अब्राहम ने परमेश्वर के वचन पर विश्वास किया। और जो कुछ भी उसके विपरीत था, उसे उसने ऐसे माना जैसे यह था ही नहीं।

122 ये सारे झूठे बपतिस्मे, झूठी संवेदनाएं, झूठी चीजें जो आज चल रही है, मानो कि यह वहां नहीं है, परमेश्वर के वचन पर विश्वास करें और आगे चलते रहें। यह केवल एक ठोकर का कारण है जो आपको सच्ची चीज तक पहुंचने से रोके रखती है। यह सही है। आगे बढ़ो, बच्चों। परमेश्वर का वचन, परमेश्वर अपने वचन को पूरा करता है। मैं परवाह नहीं करता कि शैतान कितनी भी वहां झूठी बातों को फैलाता है, परमेश्वर के पास अब भी एक सच्चा वचन है और वह इसे पूरा करता है।

123 जो कुछ भी विपरीत था अब्राहम ने उसे गलत कहा। रोमियो, 4था अध्याय, यदि आप इसे लिख रहे हैं। अब्राहम ने परमेश्वर के वचन के विरुद्ध किसी भी बात को ऐसे कहा मानो कि यह थी ही नहीं। यह सही है। उसने परमेश्वर में विश्वास किया, वो मजबूत था, कोई फर्क नहीं पड़ता कि उसका शरीर कितना भी कमजोर हो गया हो, यह कितना ही असंभव लगता हो कि ऐसा घटित नहीं होगा, लेकिन अब्राहम इस बात पर विश्वास करता रहा। अब, उसे नीचे वेदी पर जाकर और ऐसा नहीं कहना था, "यदि यह ठीक अभी नहीं होता है, तो मैं... मैं नहीं जानता कि इस पर विश्वास करना है या नहीं।" अब्राहम इसके आने से पहले पच्चीस वर्ष तक इसके साथ बना रहा, लेकिन यह वहां आ ही गया। यह हमेशा ही करता है।

124 अब्राहम से, इसहाक आया; इसहाक से, याकूब आया; याकूब से कुलपिता आए; कुलपिताओं में से एक जाति मिस्र में गई; और मिस्र में एक जाति बढ़ने लगी। फिर जब उसने अपने राष्ट्र को बढ़ाया, उसकी उपलब्धि को, तो उसने क्या किया? परमेश्वर ने उन्हें फिर से अलग कर दिया। अविश्वासी और विश्वासी एक साथ नहीं चल सकते। नहीं, श्रीमान। उसने उन्हें फिर से अलग किया, अपने लिए। यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे सही मार्गदर्शन में चलें उसने उनके लिए क्या किया? अब ध्यान से सुनना, अब हमारे पास ज्यादा समय नहीं है, हो सकता है पंद्रह मिनट और। उसने उनकी अगुवाई की। देखो, उसने एक राष्ट्र को खड़ा किया, उन्हें शिक्षकों और चीजों के अधीनता में रखा। उन्हें पीटा जा रहा

था और वे रो रहे थे, और रोते जा रहे थे और आगे बढ़ रहे थे। लेकिन परमेश्वर नीचे देख रहा था, उसे अब्राहम से की गई हर एक प्रतिज्ञा याद थी। एक दिन उसने—उसने सोचा... उसने उनके साथ क्या किया? जब उसने उन्हें अलग किया तो उसने क्या किया? उसने उन्हें एक नियम दिया और उसने उन्हें एक भविष्यव्यक्ता दिया, उसने उन्हें एक अग्नि का स्तंभ दिया। उसने क्या किया? (हे परमेश्वर!) उसने अपनी कलीसिया को व्यवस्थित किया। एक अग्नि का स्तंभ, आत्मा, ताकि उनकी अगुवाई करे, एक भविष्यव्यक्ता जो उन्हें उसके वचन की सच्चाई को बताए। वे तब यात्रा के लिए तैयार थे। क्या यह अद्भुत नहीं है?

125 वे जंगल के अंदर चले गए, चिन्ह और अद्भुत कार्य करते हुए, लाल समुद्र को खोलते हुए, और फिरौन पर अधोलोक की विपत्तियां बरसाई। ओह, प्रभु! एक अग्नि का स्तंभ उनके आगे-आगे चलता रहा, आमीन, रात और दिन उनकी अगुवाई करता रहा। हाल्लेलुय्या! एक भविष्यवक्ता, उस वचन के प्रति सच्चा, वहां खड़े होकर उन्हें पंक्ति में बनाये रखता है। आमीन। वह तब अपने बच्चों को लेने के लिए तैयार था। ऐसा पहली बार था जब उन्हें कभी एक कलीसिया कहकर बुलाया गया था। यह एक नमूना था कि वह अंत के दिनों में क्या करने जा रहा है। हम बस एक मिनट में फिर से उस पर बात करेंगे। उसने उन्हें बाहर बुलाया, उन्हें एक व्यवस्था दी, उन्हें अपना वचन दिया, और उन्हें एक भविष्यव्यक्ता दिया, उसने उन्हें एक चिन्ह दिया, और उसने उन्हें जंगल के अंदर भेज दिया। उन्हें बाकी दुनिया से अलग कर दिया।

126 उन्होंने क्या किया? मोआब की सुंदर स्त्रियों को देखा, देवी और देवताओं और हर चीजों से भरी एक गुनगुनी कलीसिया को देखा। उन्होंने क्या किया? वे उनके पास गये, उनकी स्त्रियों से विवाह कर लिया। यह सही है, बिल्कुल सही बात है। मैं कल्पना करता हूं कि वे सुंदर छोटी मोआबी स्त्रियाँ वास्तव में सुंदर थीं।

127 मेरे पास घर पर एक भविष्यवाणी रखी हुई है, इन दिनों में से एक दिन मैं इसे पढ़ूँगा। और आप सोचते हो कि मैं स्त्रियों पर उस प्रकार से क्यों कठोरता से बोलता हूँ। तीस साल पहले... मेरे पास **यहोवा यों कहता है** वाला वचन था! तीस साल पहले जब मैंने सेवकाई में प्रवेश किया, उसने मुझे बताया कि अंत के दिनों में महिलाओं का झुकाव इतना अधिक अनैतिकता

और भ्रष्टता की ओर चला जाएगा वे धरती पर की सबसे दूषित चीज हो जायेगी। सही है! उस स्त्री ने इसे आरंभ में शुरू किया और शैतान उस स्त्री का अंत में उपयोग कर रहा है। और देखो क्या हो रहा है, देखे कि पिछले कुछ सालों से होते आ रहा है। कहा था, “वह अपने वस्त्र को उतारना जारी रखेगी।” और कहा था, “वहां बस एक छोटा सा झुण्ड होगा, उसी चुने हुए लोगों का जो पहले से ठहराया हुआ है, उस चीज से बच निकलेगा।”

128 जब वह दर्शन आया, इसने मुझे चिंता में डाल दिया। मैंने सोचा, “स्त्रियां... ” मैं बाईबल में यशायाह की ओर वापस गया, मैं सोचता हूं 5वां अध्याय, और इसमें कहा गया था, “वह शाखा जो बच निकली है... उस दिन पर सिय्योन की बेटियां, यहोवा के लिए सुंदर होगी।”

129 एक महिला ने एक दिन मुझे एक प्रश्न लिखा, उसने कहा, “भाई ब्रन्हम!” या, नहीं, यह एक पुरुष था, सेवक था। हो सकता है वह आज सुबह यहां पर खड़ा हो। वो ओहियो का है। और उसने कहा, “हम वही बात कहना चाहते हैं जो आप कहना चाहते हैं, लेकिन हमें आपके टेपों में कुछ ऐसा मिला जो सही नहीं है।” सो बिली मेरे पास इस पत्र को लेकर आया। कहा, “आपके टेप पर कुछ तो बात है,” कहता है, “भाई ब्रन्हम, परमेश्वर के वचन के प्रति बहुत विरोधाभासी है। और हम—हम उसी बात को कहना चाहते हैं।” कहा, “मैं आपसे एक प्रश्न पूछना चाहता हूं, वह हैं पहला कुरिन्थियों का 11वां अध्याय, और यह स्त्रियों के लिए सिर को ढांकने के विषय में कहता है, और पुरुषों के लिए जिसे सिर को ढांकना नहीं है।” कहा, “हम यह विश्वास करते हैं। स्त्रियों को कलीसिया में टोपी पहननी चाहिए, और पुरुषों को कलीसिया में अपनी टोपी उतार देनी चाहिए।” कहा, “हम उन पर सिर ढांकने का विश्वास करते हैं, और इत्यादि चीजे।” और कहा, “फिर दूसरा सवाल यह है कि लोग हमारे पास आते हैं और कहते हैं कि प्रभु का दूत आपको हर बात को बताता है। हर एक वचन जो आप बोलते हैं वह प्रभु के दूत से आता है। और, भाई ब्रन्हम, इस प्रकार की किसी चीज के विरुद्ध लड़ना बहुत कठिन है,” कहा, “मेरी कलीसिया में।” कहा, “हम भी यही बात कहना चाहते हैं। अब, भाई ब्रन्हम, क्या आप विश्वास नहीं करते कि आप वहां थोड़ी सी गलती कर रहे है? ”

130 मैंने वापस लिखा, “मेरे बहुमूल्य भाई, मैं गलत नहीं हूं। पहला

कुरिन्थियों के, 11वें अध्याय में, कहा गया है कि एक स्त्री को अपना सिर ढांकना चाहिए, और क्यों। तब 15वें पद में कहा गया कि उसके लंबे बाल उसे ओढ़ने के लिए दिए गए हैं, ना ही एक टोपी।" वो कैथोलिक आत्मा कलीसिया पर काफी समय से हावी है। उसके लंबे बाल उसके ढांकने के लिए होते हैं। ना ही स्वयं प्रकृति को...

131 और देखो, और फिर सवाल वापस आता है, कुछ समय पहले किसी ने मुझसे पूछा था... जब मैं इस बात को ले रहा हूं तो इसे समझा दूंगा। उसने कहा, "तो ठीक है, बाईबल ने कहा कि दूतों के कारण उसे लंबे बाल रखने चाहिए। दूतों का एक स्त्री के साथ क्या संबंध है? "

132 मैंने कहा, "एक दूत क्या होता है? यह एक संदेशवाहक है।" पौलुस क्या कह रहा है? यदि एक सच्चा संदेशवाहक, परमेश्वर का कोई एक दूत आता है, तो आपके लिए अच्छा होगा कि आप लंबे बाल रखें। वह इस बात को दोषी ठहराएगा। यह सही है। कितने लोगो के पास... कितने लोग जानते है कि एक दूत एक संदेशवाहक होता है? बिल्कुल सही। परमेश्वर द्वारा भेजा गया एक संदेशवाहक इसे दोषी ठहराएगा। कहा, "दूतों के कारण तुम्हारे बाल लंबे होने चाहिए।" जब परमेश्वर के भेजे हुए सन्देशवाहक आते है, तो वे उस बात को दोषी ठहरायेंगे। हां, सचमुच, क्योंकि, परमेश्वर की ओर से एक सच्चा संदेशवाहक, एक दूत परमेश्वर से जुड़ा हुआ होता है, और उसका वचन असफल नहीं हो सकता। यह बिल्कुल सही है। संत पौलुस ने वहां कहा, कि यदि स्वर्ग से कोई स्वर्गदूत भी आकर कुछ और बताए, तो वह शापित हो। यह सही है। अब हम पाते हैं कि ये सच है, उसके लंबे बाल होने चाहिए, यही उसकी ओढ़नी है।

133 लेकिन मैं कल्पना करता हूं कि ये सुंदर मोआबी स्त्रियां बहुत सुंदर थीं, हो सकता है कि आज की कुछ आधुनिक इजेबेल की तरह उन्हें भी तैयार किया गया हो। लेकिन, हालांकि, ना ही सभी महिलाओं को! मैं सोचता हूं कि एक सच्ची स्त्री एक रत्न होती है। एक सच्ची स्त्री के लिए परमेश्वर की स्तुति हो। आप परमेश्वर की दासियां हैं। लेकिन एक सच्ची स्त्री एक सच्चे पुरुष की तरह है, वे परमेश्वर के वचन का पालन करेंगे, चाहे शैतान कुछ भी कहे, या कोई भी झूठी बात।

134 और कहते है, "हमारे पास्टर ने कहा कि *ऐसा* करना ठीक है।" मैं परवाह नहीं करता कि आपके पास्टर ने क्या कहा। यदि यह परमेश्वर के

वचन के विपरीत है, तो उसके शब्द झुठे ठहरे, और परमेश्वर के वचन में बने रहे। परवाह ना करे कि यह कौन सा संप्रदाय है या वो क्या है, यदि उसे इस विषय में कुछ कहना है, तो उसे बताएं कि परमेश्वर के वचन में देखें। बिल्कुल सही।

135 ओह, हम किस तरह से आगे जाकर और परमेश्वर को उन्हें अलग करते हुए देख सकते हैं। हमें बस एक मिनट के लिए रुकना होगा। मेरे पास यहां कुछ वचन लिखे हुए है, मैं इसे छोड़ देना चाहता हूं, ताकि जल्दी से जल्दी करके अंत तक पहुंच जाऊं। फिर जब... क्या हुआ जब उसने वहाँ जगह ली, जब मोआबी स्त्रियाँ वहाँ थीं? परमेश्वर को उन्हें फिर से अलग करना था। उसने क्या किया?

136 तब यीशु आया। अब हम कहीं तो आ रहे हैं। तब यीशु आया, जो परमेश्वर का व्यक्त किया गया स्वरूप, स्त्री का बीज, स्वयं परमेश्वर के द्वारा गर्भित। उस महान वास्तुकार ने स्वयं एक देह का निर्माण किया। उसे किसी भी स्त्री या पुरुष से लकड़ी उधार लेने की जरूरत नहीं पड़ी। उसने अपने लिए एक घर बनाया। ओह, प्रभु!

137 मैं उस दिन स्तिफनुस के बारे में सोचता हूं जब उसने खड़े होकर, कहा, "तुम ह्रदय और कानों के खतनारहित लोगों, तुम हठीले हो। तुम हमेशा ही पवित्र आत्मा का विरोध करते हो। जैसे तुम्हारे बाप दादों ने किया, वैसे ही तुम भी करते हो!" कहा, "सुलेमान ने उसके लिए एक भवन बनाया, लेकिन तौभी परमप्रधान हाथों के बनाए हुए घरों में नहीं रहता, लेकिन तूने एक देह तैयार की है।"

138 कहीं से भी लकड़ियों को उधार नहीं लेना पड़ा। इब्रानियों, 11वां अध्याय, मैं सोचता हूं 2रे या 3रे पद में, ये कहता है कि "संसार परमेश्वर के वचन के द्वारा रचा गया था, ये चीजें उन चीजों से बनी है जो दिखाई नहीं देती है।" परमेश्वर ने तब कहा, "ऐसा होने दो," और ये वहां था। उसे वहां जाकर और यह कहने की जरूरत नहीं थी, "श्रीमान चंद्रमा, क्या आप मुझे एक थोड़ी लकड़ी उधार देंगे? श्रीमान तारे, क्या आप मुझे कुछ कैल्शियम देंगे? " परमेश्वर ऐसा नही करता।

139 उसे यह कहने की जरूरत नहीं थी, "मरियम, तुम मुझे एक अंडा उधार दो, मैं एक देह बनाना चाहता हूं ताकि मैं उसमें रह सकूं।" परमेश्वर सृष्टिकर्ता ने बोला, और वह ठीक उसी समय एक मां बन गई। वह एक मां

नहीं थी, वह बस एक स्त्री थी जो उसके बीज को जन्म दे रही थी। यह सही है। याद रखिए, वह यीशु की मां नहीं थी। पर दुनिया ऐसा कहती है। मुझे वचन में एक भी जगह निकालकर बताए जहां उसने उसे मां कहा हो। अब वापस वचन पर आते हैं। "परमेश्वर की माता," आप पर शर्म आती है। देखा?

140 एक दिन वहां कुछ लोगों ने उससे कहा, कहा, "तुम्हारी माँ बाहर तुम्हें ढूंढ रही है।"

141 उसने कहा, "मेरी मां कौन है?" उसके चेलों की ओर देखकर, कहा, "वे जो मेरे पिता की इच्छा पर चलते हैं, वो मेरी मां हैं।"

142 वह उसकी मां नहीं थी, वह एक अण्डे सेने की मशीन थी। परमेश्वर किसी और चीज का उपयोग कर सकता था, लेकिन वह सबसे नीचली चीज को लेना चाहता था और दिखाना चाहता था कि वह उसके साथ क्या कर सकता है। इसे ऊपर उठाता है, जहां कुछ नहीं है उसमें से कुछ तो बनाता है, यही परमेश्वर है।

143 व्यक्त किया गया स्वरूप सामने आया, यीशु, वो जो एक बेदाग है, वो एक जो सबसे प्यारा सा, दस हजारो में सबसे सुंदर है, घाटी की लिली, शारोन का गुलाब, ओह, भोर का तारा। वो क्या था? वह किस लिए आया था? अब ध्यान से सुने। ताकि परमेश्वर और मनुष्य के बीच एकता को फिर से स्थापित करे। ओह, क्या आप इसे समझ रहे हो, भाई?

144 उनकी बाबुल की सारी मीनारें और उनकी सारी दूसरी चीजें वहां पहले काम नहीं कर रही थी। उनके बगीचों के सारे फल और बाकी की हर एक चीज ने परमेश्वर को अप्रसन्न किया। इसलिए परमेश्वर नीचे उतर आया और स्वयं अपने द्वारा ही एक स्त्री के गर्भ में गर्भधारण किया, अपने लिए एक देह बनायी, और इम्मेनुएल बना, परमेश्वर हमारे साथ; ना ही यहूदी और ना ही अन्यजाति, लेकिन परमेश्वर। वह यहूदी नहीं था, वह अन्यजाति नहीं था, वह परमेश्वर था। और अन्यजातियों का भी हर समय उसके लिए उतना ही महत्व था, केवल उसने एक यहूदी को एक राष्ट्र के लिए अलग करने की कोशिश की। उसने इसे वापस पाने के लिए सब कुछ करने की कोशिश की, और इसे स्थापित करने का एकमात्र तरीका यह था कि वह फिर से एक व्यक्तिगत के पास वैसे ही लौटे जैसा वह आदि में था। आज एक व्यक्तिगत के लिए ये इसी प्रकार से है। ना ही किसी संप्रदाय के लिए,

ना ही किसी संगठन के लिए, ना ही लोगों के झुण्ड के लिए; लेकिन एक व्यक्तिगत के लिए। ध्यान दें, ताकि परमेश्वर और मनुष्य के बीच एकता को फिर से स्थापित करे।

145 वह एक सच्चा पाप–बलि था। भेड़, बकरियाँ, और इत्यादि, कभी भी पाप को दूर नहीं कर सकते थे। लेकिन जीवन... क्योंकि जब बलिदान को घात किया जाता है और एक मेमने का जीवन, जो सबसे निर्दोष चीज है, वापस नहीं आ सकता, विश्वासी के ऊपर, वो जीवन वापस नहीं आ सकता, क्योंकि वो एक मनुष्य था, जिसके पास एक प्राण है, और मेमने के पास कोई प्राण नहीं होता है।

146 देखो, मनुष्य के अलावा किसी के पास प्राण नहीं होता है। परमेश्वर ने... वह एक जानवर का रूप है, यह सत्य है, लेकिन उसने उस पर एक प्राण को डाला। यही है जो उसे जानवरों से अलग बनाता है। जब उसका प्राण उस पर आता है, उसे सही और गलत का पता चल गया। लेकिन वह... याद रखें जब परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप में बनाया, और तब वह एक जीवित प्राण बन गया। देखो, वह ऐसा बन गया, सही और गलत को जानने लगा।

147 अब ध्यान दें। लेकिन अब, इसमें, यीशु आया और वह परमेश्वर था। न केवल दूसरे मनुष्य का जीवन दूसरे मनुष्य पर वापस आ सकता है, लेकिन उसी परमेश्वर का जीवन भी उसमें आकर, उसे परमेश्वर की संतान बनाता है, उसे फिर से उसी एकता में वापस रख देता है जो वो गिरने से पहले था। अब हम सच्ची एकता में आ रहे हैं।

148 लोग, कोई तो मुझसे कहता है, "भाई ब्रन्हम, क्या आपकी एकता नहीं है? " ना ही संगठन की एकता। लेकिन मेरी एकता मसीह के साथ है, देखो, लेकिन संगठन की एकता नहीं।

149 उसने पाप का कर्जा चुकाया। अब, परमेश्वर और मनुष्य के बीच एकता को लाने के लिए, यीशु इसे तब तक नहीं कर सकता था जब तक वह यहां मांस के शरीर में था। इसलिए उसे संपूर्ण पाप–बलि बनना था ताकि विश्वासियों के अपराध को दूर करे, देखो, इसे दूर करे ताकि पवित्र आत्मा मनुष्य के अंदर आ सके, और मनुष्य और परमेश्वर को फिर से एकता में ला सके। देखो, वहां इसे फिर से स्थापित करने के लिए कुछ तो होना ही था।

150 अब, क्या फिर से स्थापित कर सकता है? जब परमेश्वर की आज्ञा पूरी हो जाती है। क्या एक दूत इसे पूरा कर सकता है? उसके पास कोई लहू नहीं था। क्या परमेश्वर इसे पूरा कर सकता था? उसके पास कोई लहू नहीं था। और परमेश्वर मांस और लहू बन गया ताकि वह उस कर्ज को सही तरीके से चुका सके और पाप को दूर करे, क्योंकि केवल यही एक तरीका है। सारी धरती पर बाबुल की मीनारें उन्हें अलग करती हैं, बाकी की हर एक चीज, संगठन और चीजें हर तरह से विफल हो गई थी, वे आपस में मिश्रित हो जाते हैं, दुनिया और बाकी की हर एक चीज, लेकिन यह तो पूरी तरह से अलगाव होने वाला था। महिमा हो!

151 अब मैं धार्मिक महसूस कर रहा हूं। अच्छा, मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं अब अपना मूल पाठ लेकर और ठीक अभी से प्रचार करना आरंभ कर सकता हूं। मैं अभी इस बात के लिए तैयार हो रहा हूं कि मैं ठीक यहीं से आरंभ कर सकता हूं, और यह मेरे लिए रुकने का समय है। ओह! हो सकता है, मैं इसे बाद में किसी समय समाप्त करूंगा, परमेश्वर और मनुष्य की एकता। क्या आप समझ गए? वे सब जो समझ गए, "आमीन" कहे। [सभा के लोग कहते है, "आमीन।"—सम्पा।]

152 देखो, यही एकमात्र तरीका है कि मनुष्य फिर से अपनी मूल अवस्था में वापस आ सकता है, पाप के उस दंड के लिए भुगतान किया जाना है। पाप का दंड क्या है? मृत्यु। "पाप की मजदूरी मृत्यु है।" और परमेश्वर ने कहा, "जिस दिन तुम इसे खाओगे, जिस दिन तुम यह संबंध करोगे, उसी दिन तुम मर जाओगे।" और जब ऐसा हुआ, इसने उस रिश्ते को तोड़ दिया, मनुष्य के लिए संगति और हर एक चीज को, और जब तक भुगतान नही किया गया फिर से वे वापस नहीं आ सकते थे। और कोई भी इसे चुकाने के योग्य नहीं था, क्योंकि हर कोई मनुष्य जाति के साथ गिर गया था, क्योंकि हर एक सृष्टि मनुष्य जाति की अधीनता में थी, और वह गिर गया था। महिमा हो! ओह, भाई!

153 भाई मैक, मैंने आपको वहां बैठे हुए नहीं देखा, परमेश्वर आपको आशीष दे। हम इस पर विश्वास करते हैं, भाई मैक। "मृत्यु के दंड के नीचे आ जाये।" जब मैं यहां से चला गया था, तो भाई मैक यहां आराधनालय में पास्टर हुआ करते थे। जी हां। अब, वहां एक और अच्छा पुराना बैपटिस्ट, मिशनरी बैपटिस्ट है जिसके पास पवित्र आत्मा है। समझे? अब ध्यान दे,

परमेश्वर के साथ एकता में आ जाए।

154 अब, जब हम यह देखते हैं, देखते हैं कि दण्ड अवश्य चुकाया जाना चाहिए, और ध्यान दें, जानवर जीवन का सर्वोच्च रूप एक मनुष्य है, और मनुष्य स्वयं में गिर गया था। तो भला कैसे एक मनुष्य दूसरे को बचा सकता है? इसके लिए परमेश्वर की जरूरत थी। और परमेश्वर, आत्मा में, मर नहीं सकता। इसलिए, "परमेश्वर को अपने आप को दूतों से थोड़ा नीचे लाना था," इब्रानियों का 1ला अध्याय, 1ला पद। मृत्यु को लेने के लिए अपने आप को दूतो से नीचे करना था, ताकि दंड का भुगतान करे, ताकि मनुष्य और परमेश्वर के बीच फिर से एकता को लाये, ताकि पवित्र आत्मा फिर से आ सके।

155 पाप का कर्ज चुकाया गया। यीशु को पवित्र आत्मा को—को—को वापस भेजने के लिए ऐसा करना था, ताकि लोगों को फिर से एकता में ला सके जैसे कि यह अदन की वाटिका में था। यीशु की मृत्यु के बाद कर्ज चुकाया गया था। इससे मामला खत्म हो गया। आमीन, भाई! काश मैं केवल इस बात को अंदर डाल सकता, देखो। कर्ज को चुकाया गया है। मेमने को हाल्लेलुय्या! कर्ज को चुकाया गया है। और हर एक पुरुष और महिला आज सुबह मुझे सुन रहे हैं, या टेप के द्वारा मुझे सुनेंगे, आपके दंड का भुगतान किया गया है। आप परमेश्वर के वचन पर फिर से अविश्वास ना करें। वचन की ओर लौट आये! इसका विश्वास नही... वो वचन था। महिमा! सच कहूं तो मुझे चिल्लाने का मन कर रहा है। दंड का भुगतान किया गया है। यह सब खत्म हो गया है। कोई आश्चर्य नहीं कि दूत चिल्लाये और गाने लगे, स्वर्ग के स्तुति गीत गूंज उठे। जी हां, श्रीमान, खोई हुई भेड़ मिल गई! उसके लिए प्रायश्चित की व्यवस्था की गई ताकि फिर से वापस लौटाया जाए, अलगाव का जल, परमेश्वर का वचन जो उसे उसके अधर्म से धोता है, जब वचन मेरे स्थान पर मर गया और फिर से पुनरुत्थित हो उठा और मेरे जीवन में, मेरे ह्रदय में प्रधानता बन गया। आमीन। दंड का भुगतान किया गया! यह पूरा हुआ। हमें छुड़ाया गया है।

156 ना ही कैथोलिक कलीसिया के द्वारा; यद्यपि हम सही कैथोलिक है, प्रेरितिक कैथोलिक। जी हां, श्रीमान। वे अपने सिद्धांतों के साथ रोमन कैथोलिक नहीं हैं, वे इस वचन को अपने सिद्धांत से इंकार करते हैं; हर एक चीज आपका सिद्धांत है, ना ही वचन। मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, आप पर

शर्म आती है, आप परमेश्वर के प्रेम से अधिक अधर्मता के प्रेमी हो। सुख विलास के प्रेमी, संसार के चाहने वाले, भोग विलास करने वाले, ऐसे जैसे वध करने के लिए पाले गए सूअर। शैतान उसके साधनों को वहां भेजकर उन चीजों को आप में भरते जा रहा है जैसा शैतान ने अदन की वाटिका में किया था। "तो ठीक है, हमारे सभी सेवक लोग शिक्षित है। उन्होंने पीएच.डी., एल.एल.डी की डिग्री हासिल की है।" इसका कोई लेना–देना नहीं है। उस वचन का इन्कार करना, यह अब भी शैतान की चाल है। मैंने आज सुबह वचन के द्वारा इसे आपके लिए साबित किया है, अब से आगे यह आप पर निर्भर करता है।

157 चेले, यहां तक कि यीशु के साथ चल रहे थे, उनमें एकता नहीं थी। उनमें कोई एकता नहीं थी। नहीं, उन्होंने वाद–विवाद दिया, "इसके बाद कौन बिशप बनेगा। हमारे बीच में सबसे बड़ा कौन है? " वे यहाँ तक यीशु पर विश्वास भी नहीं कर सके। वे उसे समझ भी नहीं सके। "तू पहेलियों में बोलता है। हमें स्पष्ट रूप से बता कि तेरा क्या मतलब है।" यीशु और उसके चेलों के बीच, मतलब यीशु के चेलों और चेलों की एक दूसरे के साथ उनके बीच कोई एकता नहीं थी।

158 कोई फर्क नहीं पड़ता, भाई, यह आपको दिखा देगा। अब ध्यान से सुने, मैं चाहता हूं कि यह बात आपके ह्रदय की गहराई में स्थिर हो जाए। देखा? परमेश्वर के पास एक योजना है। उस योजना के बाहर, मैं परवाह नहीं करता कि इसके पीछे कितनी बुद्धिमता है, कितने करोड़ों डॉलर की इमारतें है, कितने धर्मज्ञान के स्कूल है, कितने पवित्र पुरुष है और पवित्र *ये* है, और पवित्र, पवित्र, पवित्र हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, यदि परमेश्वर की बाईबल के एक वचन को इंकार किया जाता है, तो यह शैतान का है। अब, मैंने आपको परमेश्वर के लिखित वचन के द्वारा साबित किया है, नए नियम से लेकर पुराने नियम तक, और मैं उसे उस दिन से लेकर यहाँ इस दिन में लाऊंगा यदि आप मेरे साथ बस कुछ मिनटों तक बैठेंगे।

159 वे चेले जो यीशु के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलते थे, उसके साथ सोये, उसके साथ खाते थे, उसके आश्चर्यकर्मों को देखा, और उसके साथ इतने घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए थे, जितना नजदीक कोई भाई हो सकता है, और फिर भी उनके पास ये नहीं था। वे सुसमाचार प्रचार करने के लिए उपयुक्त नहीं थे। यीशु ने कहा, "अब तुम और प्रचार ना करना, तुम यहाँ

तक कोशिश भी मत करना। तुम वहां पर यरूशलेम नगर में रुके रहना। मैं प्रतिज्ञा को भेजने जा रहा हूं, जो तुम्हें दी गई है, तुम पर उतरेगी। तब यह तुम्हें एक कर देगा।”

160 “अब, पिता, मैं प्रार्थना करता हूं कि वे एक हों जैसे आप और मैं एक हैं। और मैं... ” “जैसे मेरे पिता ने मुझे सुसमाचार प्रचार करने के लिए भेजा है, वैसे ही मैं तुम्हें भेजता हूं।”

161 और वही पिता जिसने पुत्र को भेजा, पुत्र में आया। एकता के रूप में एक। उसने कहा, “यदि मैं अपने पिता के कामो को नहीं करता, तो मेरा विश्वास मत करो। लेकिन यदि मेरे काम जो मैं करता हूं, वे ऊँची आवाज़ में बोलते है यदि तुम इसे नहीं देखते हो, तो तुम पूरी तरह से बहरे, गूंगे और अंधे हो।” ओह, भाई, व्यूह! कहा, “हे कपटियों! तुम आकाश के दशा को देखकर पहचान सकते हो, लेकिन समय के चिन्हों को तुम नहीं पहचान सकते। यदि तुमने मुझे पहचाना होता, तो तुमने मेरे दिन को भी पहचाना होता। यशायाह ने तुम्हारे बारे में बात की। तुम्हारे कान हैं, और तुम इतने बहरे हो कि तुम सुन नहीं सकते। आंखें तो हैं, और इतने अंधे हो कि तुम देख नहीं सकते!”

162 प्रेरित पौलुस ने ठीक कहा, “अन्तिम दिनों में वे भक्ति का भेष तो धरेंगे और उसकी शक्ति का इन्कार करेंगे,” और वचन के बाद वचन, अन्तिम दिनों में इन संगठनों में क्या बात जगह लेगी। तब वे सोचते हैं कि मैं शैतान की उस मनुष्य की बनाई व्यवस्था के विरोध में क्यों चिल्ला रहा हूं। उन बहुमूल्य बच्चों को देखें, जैसे भेड़ को बहकाकर वध करने के लिए ले जाया जा रहा है। प्रभु, उन्हें बाहर लाये!

163 जी हां, चेलों में कोई एकता नहीं थी। वे यीशु को नहीं समझ सके। उन्होंने कहा, “आह, इन बातों को कौन समझ सकता है? ” देखो, परमेश्वर उनमें अभी तक नहीं था। वे बस संगति में जुड़े हुए थे। वे बस उसके साथ सहभागिता में थे। आज बहुत से अच्छे लोग ऐसे है। उन्होंने शराब नहीं पी, झूठ नहीं बोला, चोरी नहीं की, कुछ भी नहीं किया है, लेकिन उनके पास परमेश्वर की एकता नहीं है। वे अभी तक परमेश्वर के साथ एक नहीं हुए थे। देखिए, वे नहीं हो सकते थे। ओह, उन्होंने अद्भुत कार्य किए। उन्होंने शैतानों को बाहर निकाला। यह कुछ—कुछ भी नहीं...

164 मैंने एक दिन अखबार में इस विषय में एक लेख पढ़ा, शैतानों को बाहर

निकालने के विषय में। लोग कहते हैं, "ओह, भाई, मैं तो आपको बता रहा हूं, बस यही बात है।" ऐसा नहीं है! एक व्यक्ति जो शैतान को निकालता है और परमेश्वर के वचन का इन्कार करता है, वह झूठा है। जी हां, श्रीमान। वह कहता है कि वह शैतानों को बाहर निकालता है। वे दावा करते हैं कि वे ऐसा करते हैं। यदि वह परमेश्वर के वचन के साथ नहीं है, तो वह ऐसा नहीं कर सकता। यीशु ने ऐसा कहा।

165 अब, तब पेंटीकोस्ट आया, परमेश्वर ने उन्हें फिर से एक कर दिया। ओह, प्रभु! तब वे परमेश्वर के साथ एकता में आ गए। परमेश्वर उनमें था। अब, प्रेरितों के काम, यदि आप इसे लिख रहे हैं, प्रेरितों के काम 4:32, बाईबल ने कहा कि "वे एक ह्रदय, एक प्राण और एक मन के साथ थे।" ओह, भाई। क्यों? उन्हें फिर से मूल रूप में वापस लौटाया गया था। केवल एक चीज जो उन्होंने छोड़ दी थी समाप्त होना था जो कि एक पुराना शहर था, या वे जिसमें रहते थे, एक पुरानी देह जिसे नगर या मंदिर कहा जाता है, जिसमें वे यहां रहते थे, जिसे सड़ना था, क्योंकि इसे मरना और नष्ट होना था। लेकिन आत्मा और जीवन में, और उद्धेश्य में और दर्शन में, और हर एक चीज में, वे परमेश्वर के साथ एक थे।

166 ओह, आदम, मेरे उदास मित्र, शैतान को फिर से अपने झूठ को बताने नही देना। ऐसा होने ना देना। शैतान को तुम्हें यह मत कहने देना कि वचन का अर्थ ऐसा नहीं है जो वह कहता है। यह सही है। वचन का अर्थ... जी हां, यहां नहीं...

167 मैं यीशु मसीह के नाम के बपतिस्मे पर बात कर रहा था। यह ठीक बात है, इसका एक प्रकाशन आता है। यही सत्य है। लेकिन लोगों के झुंड ने क्या किया? इसे ठीक यहीं इकट्ठा किया और इसमें से एक संप्रदाय को बनाया, बाबुल की एक और मीनार को खड़ा किया। वही बात, इसे ठीक इसमें डाल दिया। निश्चित रूप से। लूथर ने भी यही काम किया। वैसली ने वही काम किया, जॉन स्मिथ ने वही काम किया, एलेक्जेंडर कैंपबेल ने वही काम किया। पेंटीकोस्टल ने भी वही काम किया। परमेश्वर अपने वचन का पूरा करते हुए व्यक्तिगत के साथ व्यवहार करता है। विश्वासियों को एक सच्ची एकता में अपने पास लाने के लिए परमेश्वर की एकमात्र योजना पवित्र आत्मा को प्राप्त करना है। तो फिर यहाँ है कैसे...

168 आप कहते हैं, "तो ठीक है, भाई ब्रन्हम, मैंने अन्य जुबानों में बोला।

मैंने चिल्लाया। मैंने *ऐसा* किया।" यदि आपमें अब भी उस प्रकार की आत्मा है और परमेश्वर के वचन का इन्कार करते है, आपके अंदर परमेश्वर का वचन नहीं है, आपके पास आत्मा नहीं है। यदि आप बैठकर और प्रचारित सत्य को सुनेंगे, और इसे बाईबल में देखते है और देखते है कि यह सत्य है, और फिर इसे करने से इन्कार कर कर देते हो, तो यह परमेश्वर का आत्मा नहीं है। मैं परवाह नहीं करता कि आपने कितना अन्य जुबानों में बोला है, आप कितना चिल्लाए, आप कितनी कलीसियाओ से संबंध रखते हैं, या आपने कितनी बार बपतिस्मा लिया है, या ये कुछ भी और है। वचन सत्य है। यही है जो सत्य को प्रमाणित करता है। यदि आपको ये सभी अन्य सच्चाईयां मिल गई हैं और फिर वचन के साथ है, आमीन, तो आप जान जाते हैं कि आप घर आ रहे हैं।

169 क्या... कैसे वही परमेश्वर जिसने बाईबल को लिखा है, पलट कर और अपने वचन के स्थान पर कुछ तो और रख सकता है? आप कैथोलिक लोग जिन्होंने कहा कि पतरस को आपकी कलीसिया में दफनाया गया था, और उसकी आत्मा आपको पापों और इत्यादि चीजों को क्षमा करने का अधिकार देती है, तो पतरस, एक यहूदी, भला कैसे कभी कलीसिया में मूर्तियों को बर्दाश्त कर सकता है? कैसे पतरस कभी यह कहने से इन्कार कर सकता था कि पवित्र आत्मा का बपतिस्मा आया है, और उसने अन्य जुबान में बोला, और वे सारे सामर्थी काम जो उसने किए, और पीछे मुड़कर और कहता है कि एक छोटी सी पतली रोटी या पपड़ी ले लो, और परमेश्वर उस रोटी में है? ओह, यह अज्ञानता है, आत्मिक अज्ञानता!

170 तो ठीक है, अब, आप प्रोटेस्टेंट भी उसी बात को कर रहे हैं, चलकर जाते है और प्रचारक से हाथ मिलाकर, और कहते है, "मैं यीशु को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करता हूं," और वापस जाकर और इसमें से किसी भी तरह का जीवन जीते है, और सीधे संसार के साथ जीते है। बाबुल की एक और मीनार।

171 हम अब अंत की ओर आ रहे हैं। देखो। परमेश्वर ने पवित्र आत्मा को भेजा, और पवित्र आत्मा स्वयं परमेश्वर है। वही वो एक है जो परमेश्वर और मनुष्य के बीच एकता को लाएगा। आइये पता करते है। अब आइए देखे। अब मैं अगले पांच मिनट के लिए या कुछ समय के लिए आपका पूरा ध्यान चाहता हूं। ध्यान दे।

172 मनुष्य ने शैतान की योजना के नीचे कोशिश की कि कलीसिया को संप्रदायी एकता के अंदर लाये। उन्होंने यह बताने की कोशिश की संप्रदा–... कलीसिया को शिक्षा के द्वारा एकता में लाये, आप यह जानते हैं, शिक्षा के जरिये से, संप्रदाय के जरिये से। वे ठीक अभी कोशिश कर रहे हैं, विश्व कलीसिया परिषद, सभी कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट को एक साथ लाकर और उन्हें एक करने की कोशिश कर रहे हैं। यह क्या है? शैतान की एक योजना!

173 आप कहते हैं, “आप ऐसा कहने के लिए बहुत छोटे हैं।” मैं बहुत छोटा हूं, लेकिन मेरे परमेश्वर का वचन बहुत बड़ा है, मैं आपको यह बता दूँ। आकाश और धरती टल जायेंगे, लेकिन यह नहीं टलेगा। यह वो नहीं है जो इसे कहता है, यह तो वो है जिसने—जिसने—जिसने इस बात को पहले कहा था। मैं तो बस वही कह रहा हूं जो उसने कहा, मैं उसके वचन को अंगीकार कर रहा हूं।

174 यह शैतान के नीचे है! यह यहां वचन में साबित हुआ है, ठीक आज सुबह आपके सामने, कि यह शैतान की ओर से है। इनमें में से जो कोई भी संगठन है। मनुष्य, शैतान की योजना के नीचे, लोगों को एकता के लिए संप्रदाय करने की कोशिश करते हैं।

175 “आप सभी आकर असेंबली ऑफ गॉड में जुड़े। एकता मे जुड़े। चर्च ऑफ गॉड में जुड़े। मेथोडिस्ट में जुड़े। हम सब एक हैं।” तुम ढोंगीयों का झुंड, तुम भक्ति का भेष धरते हो और उसकी सामर्थ का इन्कार करते हो। और परमेश्वर का वचन ठीक तुम्हारे सामने हिलाया गया, और तुम इस पर आक्रमण करने से डरते हो। यदि तुम परमेश्वर के साथ हो तो परमेश्वर स्वयं को क्यों नहीं प्रकट करता हैं? तुम परमेश्वर के कार्य क्यों नहीं करते हो? तुम उस रूप को कैसे धारण कर सकते हो, और घूमकर और उसका इन्कार करते हो, यहां तक कि परमेश्वर के सच्चे कामों को भी बालजबुल कहते हो? यह दिखाता है, तुम कलीसिया के सदस्यों का शिक्षित झुंड हो! यीशु ने कहा, “तुम अपने पिता शैतान से हो!” सही है! मुझे पक्का है कि आप समझ गए होंगे कि मेरा क्या मतलब है। निश्चित रूप से। कोई इस पर आक्रमण क्यों नहीं करता? आप जानते है कि इसके पीछे परमेश्वर है। परमेश्वर अपने वचन के साथ आगे बढ़ेगा।

176 मनुष्य ऐसा करता है, इससे बाबुल की दूसरी मीनार बनती है।

वह क्या करता है? वे दिखाने की कोशिश करते हैं... अब इस विश्व कलीसियाओं के परिषद की ओर देखें। एंग्लिकन, रोमन कैथोलिक, मेथोडिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, पेंटीकोस्टल, और ये सभी एक साथ एकजुट हुए है, क्रिश्चियन साइंस, और बहुत सी संप्रदाय जो यहां तक कि कुंवारी के जन्म का भी इन्कार करते हैं, जो यीशु की दैविकता का इन्कार करते हैं, उसे तीन लोग बनाते हैं, तीन देवताओं की आराधना करने की कोशिश करते हैं, कुंवारी के जन्म को इंकार करते हैं। उनमें से कुछ लहू का इन्कार करते हैं। उनमें से कुछ उसके अद्भुत कार्यो का इन्कार करते है। लगभग, वे सभी ऐसा ही करते हैं। और तब—तब इस प्रकार से एक होने का यत्न करते है, आप इसे कैसे कर सकते है? यह एक मनुष्य की बनाई मीनार है। यह वैसे ही गिरेगी जैसे बाबुल गिर गया।

177 लेकिन परमेश्वर ने कहा, “ना बल से, ना शक्ति से; मेरी आत्मा के द्वारा, प्रभु यों कहता है। इसी तरह मैं अपनी कलीसिया को एक करुंगा। ना ही संगठन के द्वारा, ना ही शिक्षा के द्वारा, ना ही धर्मज्ञानियों के द्वारा; लेकिन मेरी आत्मा के द्वारा, प्रभु यों कहता है, मैं अपनी भेड़ों को इकट्ठा करूंगा।” ओह, प्रभु! और जब वह ऐसा करता है, तो क्या होता है? और उसके चिन्ह उसी बात की गवाही को देंगे। मोआब से मिश्रित होने से पहले इस्राएल कह सकता था, इससे पहले मोआब के साथ मिश्रित हो। उनके ऊपर एक अग्नि का स्तंभ था। जी हां, श्रीमान। वह क्या करेगा? वह गवाही को रखेगा, उसी प्रकार की एक गवाही। लेकिन जब वे अलग हो गए और उसी तरह परमेश्वर से अलग हो गये, तो उनके और परमेश्वर के बीच की एकता टूट गई, और वे मोआब और उनके साथ एक हो गये, जीत पूरी तरह विफल हो गयी। वे चालीस वर्ष तक जंगल में ही रहे, जब तक कि परमेश्वर ने एक और झुण्ड को खड़ा नहीं किया कि वहां जाकर और अपनी योजना को पूरा करें। बिल्कुल ठीक ऐसा ही उन्होंने किया।

178 अब देखिए। लेकिन जब परमेश्वर अपनी आत्मा के साथ एक कलीसिया को एक साथ लाता है, उनके बीच में उनके पास जीवित परमेश्वर के चिन्ह होंगे। किस प्रकार के चिन्ह? जब परमेश्वर ने इस्राएल को मिस्र से अलग किया, तो परमेश्वर ने मूसा और इस्राएल को एक अग्नि के स्तंभ का चिन्ह दिया। यह सही है? एक भविष्यव्यक्ता। जब उसने अब्राहम को लूत से अलग किया, वहां उसके पास एक दूत आया था, जो विचारों और हृदय के इरादों को परख सकता था। चिन्ह! हाल्लेलुय्या।

179 अब ये संप्रदाय जो इस कलीसिया में शामिल हो गए, मिस्र में एक एकता को बनाने की कोशिश कर रहे थे, जैसे वहां अदन और इत्यादि में—में, वे इस बड़े प्रभाव के नीचे थे।

180 लेकिन, देखिए, मैं आपसे कुछ तो पूछना चाहता हूं। जब परमेश्वर ने इस्राएल को अलग किया, तो उसने उन्हें एक अलौकिक चिन्ह दिया, एक अग्नि का स्तंभ। उसने उन्हें एक भविष्यव्यक्ता दिया। उसने अब्राहम के साथ क्या किया? वह हर बार क्या करता है? मुझे उनमें से एक भी परमेश्वर द्वारा नियुक्त भविष्यवक्ता दिखाओ। उसने अपनी कलीसिया को प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं और शिक्षकों और सुसमाचारक के द्वारा एक साथ स्थापित किया। हाल्लेलुय्या! वहां आप है। एक कलीसिया, फिर से, जैसे उसने इस्राएल को बाहर बुलाया। मैंने आपको बताया था कि मैं इस पर वापस आऊंगा। जी हां, श्रीमान।

181 ना उनमें कोई भी परमेश्वर द्वारा नियुक्त भविष्यवक्ता, नहीं, श्रीमान, जैसा कि इस्राएल और उनके बीच था। यह क्या है? फिर से शैतान की मीनार।

182 अब, यीशु का आगमन बहुत ही निकट है, यीशु का दूसरा आगमन, वह अपने चुने हुए लोगों को एक साथ इकट्ठा कर रहा है। मैं यह विश्वास करता हूं। ओह, वे पूर्व और पश्चिम से आएंगे। जहां लोथ है, वहां उकाब इकट्ठा होगें। ओह, प्रभु, यह क्या है? उसके पास उसकी एकता है, उसकी सच्ची एकता, जो स्वयं को उनके बीच में प्रकट कर रहा है; हर एक संप्रदाय में से, हर जगह से, हर प्रकार की कलिसियाओ से, अपने चुने हुओ को एक साथ ला रहा है, अपने बच्चों को बाहर ला रहा है, ठीक उसके वचन के साथ पंक्ति में रख रहा है। क्या?

183 अब, प्रभु यीशु का आगमन बहुत ही निकट है, न्याय का आगमन, वह अपने चुने हुओ को अपने साथ एकता में बुला रहा है, उसी प्रकार की सेवकाई के साथ जो उसके पास थी। आप जानते हैं कि मैंने कलीसिया के युगों में कैसे आकार को बनाया, यहाँ ज्यादा समय नहीं हुआ, उस—उस बडी मीनार के बारे में जिसे बनाया गया था, जिसे पिरामिड कहा गया, लेकिन उस पर कभी भी चोटी का पत्थर नहीं रखा गया था। याद रखें कि कैसे वे लूथरन आए, फिर अल्पसंख्यक में वेस्ली आए, और फिर आगे पेंटीकोस्ट तक। और अब वो क्या कर रहा है, उसी में से बुला रहा है। उसने

क्या किया? उसने चुने हुए को बाहर बुलाया, ताकि लूथरन को बनाये; उसने लूथरन में से चुने हुए लोगों को बाहर बुलाया, ताकि वेस्लीयन को बनाये; उसने चुने हुओं को बाहर बुलाया, उसमें से, ताकि पेंटीकोस्टल को बनाये; अब वह चुने हुए पेंटीकोस्टल को बाहर बुला रहा है, ताकि इसके अंदर आकर चोटी के पत्थर को बना सकें। ठीक उसी प्रकार की सेवकाई ठीक इस पर आ रही है, सभी संप्रदायों से और जीवन के सभी क्षेत्रों से अपने बच्चों को बुला रहे हैं।

184 उसने क्या किया है? उसने उनके साथ एक सच्चे शिक्षक, सच्चे भविष्यव्यक्ता रखे है जो उसके वचन, बाईबल के साथ बने रहते हैं। "मेरी भेड़ मेरी आवाज को सुनती है," यीशु ने कहा। यदि वह तब उसकी आवाज थी, तो यह अब भी उसकी आवाज है। कोई भी चीज जो उस आवाज के विपरीत है, तो यह भेड़ का भोजन नहीं है। वे इसका अनुकरण नहीं करेंगे। ओह, भाई। पूर्व से, पश्चिम से, हर एक संप्रदाय में से, हर एक संगठन में से, वे पूर्व और पश्चिम से आए हैं, एक साथ एकत्र हो रहे हैं! "हम राजा के साथ भोज करेंगे, उसके अतिथि के रूप में भोजन करेंगे, ये यात्री कितने धन्य हैं! उसके पवित्र मुख को दिव्य प्रेम से चमकते हुए निहारना; उसके अनुग्रह के धन्य सहभागी, जो उसके मुकुट में रत्नों की तरह चमकेंगे। यीशु जल्द ही आ रहा है, तब हमारी परीक्षायें समाप्त हो जायेंगी।" हाल्लेलुय्या! "क्या हो यदि हमारा प्रभु इसी क्षण उन लोगों के लिए आता है जो पाप से आजाद हैं? तब क्या यह आपके लिए आनंद को लाएगा, या फिर दु:ख और बड़ी निराशा को? लेकिन जब हमारा प्रभु महिमा में आता है, तो हम उससे ऊपर हवा में मिलेंगे।" हाल्लेलुय्या! जी हां, श्रीमान।

185 यह क्या है? परमेश्वर द्वारा भेजे गए शिक्षकों के साथ जो सच्ची कलीसिया के लिए वचन के साथ बने रहेंगे, कोई भी संगठन कुछ भी कहती हो, वे ज़रा एक अंश भी नहीं हिलते। वे इसके साथ जुड़े हुए नहीं है। भविष्यव्यक्ता; ना ही ढोंगी विश्वासी, नाम का कहलाने वाला, लेकिन एक सच्चे भविष्यवक्ता के पास **यहोवा यों कहता है** होता है और हर समय ठीक निशाने पर होता है। यही है जिसे उसने अपनी कलीसिया में भेजा है। यही है जो उसने कहा था कि वो करेगा। वचन पर विश्वास करता है; ना ही संस्था पर, ना ही सिद्धांत पर, लेकिन वचन पर। और, ऐसा करके, वह अपने आप को उनमें प्रकट करता है, अपने वचन की पुष्टि करते हुए, उसी जीवन को बना रहा है जिसे उसे एक बार जीया, उसे फिर से जीते हुए,

उसके अपने वचन को पूरा कर रहा है। ओह, प्रभु!

186 ध्यान से सुने। पहला कुरिन्थियों 4:20, कहता है, “परमेश्वर का राज्य ये उसका वचन है जो सामर्थ बना।” यदि आप इसे लिखना चाहते हैं, तो पहला कुरिन्थियों 4:20। परमेश्वर का राज्य परमेश्वर का वचन है जो सामर्थ बना। परमेश्वर का राज्य क्या है? ये आपके अंदर है। राज्य आपके अंदर है। और जब वचन वहां पर आता है, तो यह वचन क्या आरंभ करता है? यह स्वयं को सामर्थ में बदल लेता है, ये बिल्कुल ठीक वही कहता है जो इसने कहा।

187 आप यह नहीं कह सकते, “*ये* ऐसा कहता है,” और यह इसे कहता है, और इसे कार्य में लाता है। आपको वही बात को कहनी है जो यह कहता है। यही एक अंगीकार करना है। ना ही कहते हुए, “खैर, यहाँ इसे थोड़ा चमका दिया गया है, मेरे पास ज़्यादा बुद्धि होगी, मैं यहाँ बेहतर स्थिति में रहूँगा।”

188 आप वचन के साथ बने रहे। वहां है ये, देखो। और यह इसे सामर्थ प्रदान करता है। “यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।” यीशु ने संत यूहन्ना 14:12 में कहा, “यदि तुम मुझ में बने रहो और मेरा वचन तुम में।” नहीं, मैं आपसे क्षमा चाहता हूं, यह ऐसा नहीं था जो उसने वहां कहा। उसने कहा, “वह जो मुझ पर विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं वह भी करेगा। यदि तुम मुझ में बने रहो और मेरा वचन तुम में, तुम जो चाहो मांगो और यह तुम्हारे लिए हो जाएगा। यदि तुम मुझ में बने रहो और मेरा वचन तुम में।”

189 यह क्या है? आपको वचन के साथ जाना होगा, अपने आप को मार डालना होगा। मुझे विश्वास है कि हम में से बहुत से मित्रों ने पवित्र आत्मा को पाया है, लेकिन हम बस इतना ही हम में पवित्र आत्मा को पाते हैं कि हमें एक ऐसे स्थान पर लेकर आये जहां हम झूठ नहीं बोलना चाहते, हम चोरी नहीं करना चाहते, हम कुछ भी नहीं करना चाहते हैं। लेकिन परमेश्वर अपनी कलीसिया के हर एक तत्व को भरना चाहता है, वह आपके विचारों को भरना चाहता है और वह आपके मन को भरना चाहता है। वह आपके हर एक अंश को भर देना चाहता है, ताकि आप अपने आप से या अपनी सोच के लिए पूरी तरह, संपूर्ण रूप से मर जाये, बस इतना अधिक परमेश्वर में समर्पित हो जाये इतना तक कि उसका वचन बस ठीक आपमें से होते

हुए जी रहा हो। आप परमेश्वर के वचन के अलावा और कुछ नहीं जानते हो, बस उसके वचन के साथ बने रहते है, यह जीवन है। "मेरा वचन जीवन है," यीशु ने कहा। उसे उनके साथ रखा गया है, बाईबल पर विश्वास करने वाले शिक्षक, भविष्यव्यक्ता जो सच्चाई को कहते हैं, जो उसी भविष्यवाणी को कहते है, दिखाते हैं जो उन्होंने हमेशा ही युगों में से होते हुए दिखाया है। उसने क्या किया है? वो अपने आप को उनके बीच जीवित दिखाता है, अपने वचन की पुष्टि करते हुए। उसका वचन, परमेश्वर का राज्य ही परमेश्वर का वचन है जो सामर्थ बना है।

190 जबकि, ये संप्रदाय मनुष्य के तर्क–वितर्क पर, मनुष्य के तर्क–वितर्क के ऊपर निर्भर रहते हैं। अब ध्यान से सुने। वे... हमें मनुष्य के तर्क–वितर्क पर निर्भर नहीं रहना है। नीतिवचन, 3रा अध्याय, 5वा पद, कहता है, "अपनी समझ का सहारा ना लेना।" देखा? ऐसा ना करें, कोई फर्क नहीं पड़ता कि परमेश्वर का वचन कैसा *प्रतीत* होता है।

191 आप कहते हैं, "खैर, ऐसा प्रतीत होता है जैसे यह बस *इस* तरह से ही अच्छा है।"

192 यह ऐसा नहीं है। यह परमेश्वर का वचन है, इसे उसी तरह से ही लेना है जिस तरह से उसने इसे कहा है। हव्वा ने कहा... शैतान ने हव्वा से कहा, "मैं जानता हूं कि परमेश्वर ने ऐसा कहा है, लेकिन असल में इसका मतलब ऐसा नहीं है। इसका मतलब यह है।" और हव्वा ने इसका विश्वास किया। उसने इसका विश्वास किया। इसने एकत्व को तोड़ दिया, इसने संगति को तोड़ दिया, इसने एकता को तोड़ दिया, इसने संसार को तोड़ दिया, इसने जीवन को तोड़ दिया, इसने हर चीज को तोड़ दिया!

193 और वो व्यक्ति जो परमेश्वर के वचन के एक वचन का अविश्वास करता है, ये सारी संगति को और सब कुछ तोड़ देता है। सही है! हम इसका विश्वास करते है या तो हम इसका विश्वास नहीं करते है। आओ हम इसके साथ बने रहें! परमेश्वर ने ऐसा कहा है, और आओ हम इसके साथ बने रहें। बहुत सी बातों को मुझे यहां छोड़ना होगा, क्योंकि यह पहले ही समय निकल चुका है।

194 जैसे बीते समय में, बीते समय में जब मनुष्य ने ऐसा किया, इसने संसार के लिए परमेश्वर के न्याय को लाया। बाबुल की मीनार, कैन के बच्चों का शेत के बच्चों के साथ मिलन, इसने न्याय को लाया। यह हमेशा

ही संसार के लिए परमेश्वर के न्याय को लाता है। समझे? ओह, उसके साथ सच्चा एकत्व न्याय में ऊपर उठायेगा, इससे ऊपर, जैसे नूह ने अपने परिवार के साथ उस न्याय में किया। धर्मी नूह और उसका परिवार न्याय से ऊपर उठ गया। उन्होंने क्या किया? वे निकल गए!

195 भाई ली वेयल, यदि आप इसे समझ लेते हैं, तो यह यहाँ है। केवल यही वो प्रश्न है जिस पर हम असहमत हैं, वो विश्वास करते है कि कलीसिया न्याय में से होकर जाएगी। मैं ऐसा नहीं समझता। मैं ऐसा विश्वास नहीं करता।

196 नूह कभी भी किसी भी न्याय से होकर नहीं गया, वह न्याय से ऊपर निकल गया। अब्राहम कभी भी आग में नहीं था वह उस आग से बाहर था। इस्राएल, इस्राएल के न्याय में नहीं था, इसे आग में से अलग किया गया था, न्याय से बाहर था। कलीसिया न्याय के ऊपर पवित्र आत्मा के नाव में सवार होकर, धरती पर से ऊपर उठ जाएगी।

197 संसार में कलीसियाओं के परिषद की यह चीज और कुछ नहीं, एक—एक मूर्ख कुंवारी की हिलावट को छोड़, जिसे यहां धरती पर छोड़ दिया जाएगा ताकि मसीह–विरोधी के हाथों में पड़ सके। लेकिन परमेश्वर की सच्ची कलीसिया पुराने समय के नूह की तरह तैरती रहेगी, और महिमा के अंदर चली जायेगी ये उतना ही निश्चित है जितना मैं यहां पर खड़ा हूं। इसलिए वो उन्हें एक साथ इकट्ठा कर रहा है। यही है जो आज आवाज आगे की घोषणा कर रही है। यही है जो परमेश्वर कर रहा है, जो लॉस एंजिल्स से एक को लेकर, और एक को फिलेदिलफिया से लेकर, और एक को जॉर्जिया से, और इत्यादि से लेकर एकत्र कर रहा है। उन्हें एक साथ इकट्ठा करता है, उसके लोग जो जीवित परमेश्वर के वचन पर विश्वास करने की इच्छा रखते हैं। "जैसा कि यह नूह के दिनों में था, ऐसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा, जिसमें थोड़े लोग ही बचाये गये थे, बस बहुत ही थोड़े।" तो ठीक है, हमारे पवित्र आत्मा का जहाज ठीक परमेश्वर के न्याय के ऊपर तैरता रहेगा, क्योंकि हमारा पहले ही न्याय किया गया हैं, जब हम यीशु को अंगीकार करते हैं, और उसने हमारे न्याय को ले लिया।

198 ये संप्रदाय, हालांकि, बहुत ही हठीले हैं! वे हव्वा के जैसे है, वह परमेश्वर के वचन की परवाह किए बिना अपनी बुद्धि को चाहती थी। निम्रोद अपनी मीनार को चाहता था, परवाह किये बिना, वचन हो या ना हो! वे

हठीले थे! हव्वा बेहतर जानती थी। शेत को इससे बेहतर समझ थी कि वह उन सुंदर महिलाओं के बहकावे में आए। इस्राएल भी भली–भाँति जानता था कि उसे उस व्यभिचार में नहीं पड़ना चाहिए। वैसे ही आप जानते हैं! लेकिन कुछ लोग इतने हठीले होते हैं, वचन हो या वचन ना हो! "परमेश्वर धन्य है, मेरी मां प्रेस्बिटेरियन थी! मैं भी वही होने जा रहा हूं।" तब आगे बढ़ते रहे, आगे बढ़ते रहना ही केवल एक चीज है जो आप तब कर सकते है। परमेश्वर आपके पापी प्राण पर दया करे। आप भला इससे कैसे बच कर निकलेंगे, जब कि आप जानते हैं कि यह सच्चाई है? और यदि आप परमेश्वर के वचन को देखते हैं, और फिर भी नहीं सोचते कि यह सत्य है, तब वहां आपकी आत्मिक समझ में कुछ तो गड़बड़ है। यह बिल्कुल सही बात है। पूरे राष्ट्र भर में देखें और देखें कि ये चीजें कहां घटित हो रही हैं। हम अंत के समय पर हैं, मित्रों। क्या हम अभी कलीसिया के युगों में से होकर गये है और जानते हैं कि लौदिकियन कलीसिया युग में क्या होने जा रहा है? क्या हम अभी इसमें से होकर नहीं आए हैं? आप समझे मेरा क्या अर्थ है? हम अंत के समय पर हैं।

199 परमेश्वर चुने हुओं को पृथ्वी की चार दिशाओं से एकत्र कर रहा है। उसने कहा कि वह दूतों को भेजकर और उन्हें इकट्ठा करेगा। क्या यह सही है? उन्हें एक साथ इकट्ठा करता है, उन्हें जंगली झाड़ियों से अलग करता है। आमीन। जंगली झाड़ियां जलाई जायेंगी, गेहूं को नहीं। सही है।

200 लेकिन, वे बहुत ही हठीले हैं, उन्हें ये मिले या ना मिले, इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। ओह!

201 लेकिन परमेश्वर के चुने हुओं को उनके बीच में से बाहर आने की आज्ञा दी गई है। "अपने आप को अलग करो," परमेश्वर यों कहता है, "और मैं तुम्हें ग्रहण करूंगा। उनकी सांसारिक चीजों को मत छुओ, और मैं तुम्हारा पिता, या परमेश्वर होऊंगा, और तुम मेरे बेटे और बेटीयां होंगे। अपने आप को अविश्वासियों के साथ जुए में ना जुतो, लेकिन इसमें से बाहर आ जाओ!" परमेश्वर संसार से अलगाव को चाहता है। वह स्वयं आपके साथ एक होना चाहता है। और मनुष्य की बनाई हुई संप्रदाय की योजना, संगठन की योजना, या किसी भी मनुष्य की बनायी हुई शिक्षायें कभी भी स्थिर नहीं रहेगी। यह परमेश्वर को लेता है, पवित्र आत्मा, आप में, ताकि आपको परमेश्वर से एक करे। और आप कैसे जानते हैं कि आपको

यह मिल गया है? वो पवित्र आत्मा जिसने वचन को लिखा हर एक वचन के साथ गवाही को देगा; और वही चीजें जो पवित्र आत्मा ने पुराने नियम में की, वो नए नियम में करेगा; वो अभी ठीक वही करेगा, क्योंकि यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। और आप संस्थाओं के साथ और संसार के साथ जुए में ना जुते। आप उनके साथ जुए में नहीं जुतते हैं। अपने आप को उनके बीच में जुए में ना जुते, लेकिन उनके बीच में से बाहर आ जाये! आप मसीह के साथ जुए में जुते हुए है। आमीन। प्रभु यीशु मसीह के साथ जुए में जुते हुए है।

202 बाईबल कहती है, अंत के दिनों में वहां कलीसियाये होंगी, बाबुल की तरह एक और मीनार होगी। वे एक भक्ति का एक भेष तो धरते है, और परमेश्वर के वचन और सामर्थ का इन्कार करते है, उसके वचन की सामर्थ का। और वचन क्या है? परमेश्वर का राज्य क्या है? इससे पहले कि हम कभी राजा की प्रजा बन सके हमें उस राज्य का हिस्सा होना होगा। कितने लोग यह जानते हैं? कहे, "आमीन।" [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] तो, आप राज्य में कैसे आते हैं? परमेश्वर का राज्य परमेश्वर का वचन है जो वापस सामर्थ में बनाया गया है। आमीन। सामर्थ बना; पाप को दूर करते हुए, चिन्हों को देते हुए। किस प्रकार का चिन्ह? यदि यह वही वचन है जिसने मूसा को बाहर लाया, तो यह उसी चिन्ह को लेकर आएगा।

203 वही चीज जिसने गुनगुने लूत को अलग किया। अब, हम जानते हैं कि लूत गुनगुना था, और यीशु ने कहा कि यह अंत समय का चिन्ह होगा। गुनगुना लूत वहां पर बैठा हुआ था, वह धार्मिक था, निश्चय ही, वह और उसकी पत्नी। और वे सभी प्रकार की पार्टियों में आते-जाते थे, और वो नगर का मेयर था, और, ओह, वहां पर बहुत सारी चीजें चल रही थी। वह बहुत ही धार्मिक था। वो सुसमाचार प्रचारकों का मनोरंजन कर सकता था और उन सारे लोगों का जो वहां पर आते थे, उस तरह से वो ठीक था। लेकिन, ओह, भाई, वह वो चुना हुआ नहीं था।

204 देखो क्या घटित हुआ! क्यों? वही परमेश्वर जिसने अलग किया और अब्राहम के पास आया और उसे उसके अलगाव का प्रमाण दिखाया... उम्म! हे परमेश्वर! मैं किस तरह से चाहता कि काश मैं—मैं कुछ तो ऐसा कर पाता कि आप इसे देख सकते। परमेश्वर ने अब्राहम को दिखाया, कि उसने खुद को अलग किया था, उसने उसे इसकी पुष्टि को दिखाया, कि वो

उसके साथ था और ठीक उसके बीच में था। और यीशु ने कहा वही बात अंत के दिनों में जगह लेगी। ना ही एक राष्ट्र अब्राहम था, वह अल्प संख्या में था, लेकिन परमेश्वर उसके साथ था। तब उसने उसे अलग किया था। हमें इस अंतिम दिनों में अपने आप को अलग कर लेना चाहिए।

205 और यदि परमेश्वर ने मूसा के लिए एक चिन्ह दिया, इस्राएल के लिए, अभिषिक्त भविष्यवक्ता, एक अग्नि का स्तंभ, अब्राहम को एक चिन्ह दिया। उसने—उसने इस्राएल को एक चिन्ह दिया। उसने चेलों को एक चिन्ह दिया। वही चिन्ह, हर बार! वही चिन्ह, अग्नि का स्तंभ!

206 पौलुस, जब वह वहां दमिश्क के रास्ते की ओर जा रहा था, वहां उसके सामने एक अग्नि का स्तंभ चमका, जिसने यहाँ तक उसकी आंखों को भी अंधा कर दिया, उसे उसके घुटनों पर गिरा दिया। इसे किसी और ने नहीं देखा। हर कोई आसपास ही खड़ा है, उन्होंने इसे नहीं देखा। और एक आवाज ने कहा, "शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है? "

207 उसने कहा, "प्रभु, आप कौन हैं? "

208 उसने कहा, "मैं यीशु हूं।" एक चिन्ह! और वो क्या था? अन्यजातियों के लिए प्रेरित। आमीन।

209 यहां हम अंत समय में हैं, पूर्व और पश्चिम, उत्तर और दक्षिण से आ रहे हैं। हम क्या कर रहे हैं? उस रैपचर के लिए तैयार हो रहे हैं। तैयार हो रहे है... कुछ मिनटों के लिए अपने आप को स्थिर रखे जब तक कि हर एक तत्व पवित्र आत्मा से भर नहीं जाता है। तब वह ऊपर चली जायेगी। ओह, प्रभु! वो अपने लोगों को अपने आप में एक साथ बुला रहा है, अपने आप से सच्चे एकत्व में, क्योंकि यह उसका एक पवित्र आत्मा है। "एक आत्मा के द्वारा हम सब ने व्यक्तिगत रूप से एक देह में बपतिस्मा लिया है, सामूहिक रूप से यीशु मसीह की देह।" और यीशु मसीह अपनी आत्मा के साथ हमारी देह में रहता है, कलीसिया के लिए काम कर रहा है और उन्हीं चीजों को कर रहा है, जो चीजें उसने की, एक—एक चिन्ह के रूप में, संसार के लिए एक चिन्ह के रूप में, कि हम अंत के दिनों में हैं, रैपचर के लिए तैयार हो रहे हैं। ओह, मैं उससे प्रेम करता हूं, क्या आप नहीं करते?

210 मेरे पास यहाँ अभी भी एक किताब है, लेकिन मैं इसे अब और नहीं ले सकता, हमें बहुत देर हो रही है। हो सकता है इसे किसी और समय ले लूंगा।

211 हम अंत में हैं। एकत्व। क्या आप परमेश्वर के साथ पूरी तरह एक हुए हो? इसी तरह से आपको एक होना है। जी हां। हम उसके साथ एक होने जा रहे हैं इतना तक... वो मन जो मसीह में था आप में हो। तब मसीह, उसका अपना मन जो आप में होता है ये हर एक वचन को पहचान लेगा जो उसने लिखा है। इसने प्रेरितों में किया, सही ढंग से वचन को विभाजित करते हुए, जो कि सच्चाई है, देखो, पवित्र आत्मा। यदि यह सच्चाई है, तब वह उसी चिन्ह को लाने के द्वारा इसकी गवाही को देगा जो उसने मूसा के लिए दिया था, वही चिन्ह जो उसने अब्राहम के लिए दिया, वही चिन्ह जो उसने मसीह के द्वारा दिया, वही चिन्ह जो उसने पौलुस के द्वारा दिया। हम अंत के समय में हैं। उसने कहा कि ऐसा होगा। हम अंत के समय में हैं। कलीसिया, सामूहिक रूप से, एक एकत्व में एक साथ एकत्र हो रही है, एक यहाँ से और एक वहाँ से, इसे बना रहे है।

212 उसने कहा, “एक खेत में दो जन होंगे, मैं एक को लूंगा।” एक। देखो, “एक खेत में दो,” जो कि दिन के समय में है, कटनी, “मैं एक को ले लूंगा और एक को छोड़ दूंगा। वहां एक बिस्तर पर दो जन होंगे,” संसार के दूसरी ओर, “मैं एक को ले लूंगा और एक को छोड़ दूंगा,” मनुष्य के पुत्र के आने पर। और यह बहुत ही निकट है, यह बहुत ही नजदीक है।

213 नहीं! नहीं, आदम! आदम! हव्वा, आदम, मैं तुम पर चिल्लाऊंगा, कि शैतान के झूठ पर अब और कान नहीं लगाना। परमेश्वर के वचन के साथ बने रहो, यह **यहोवा यों कहता है**। उसके वचन के साथ बने रहो। इससे अलग होना ये परमेश्वर के साथ तुम्हारी संगति को तोड़ना है, पवित्र आत्मा के द्वारा परमेश्वर का एकत्व। तब यदि आप कहते हैं कि आपके पास पवित्र आत्मा है और यह वचन के साथ सहमत नहीं होता है, तो आप परमेश्वर के साथ एकत्व में नहीं है।

214 यह परमेश्वर का एकत्व है, जब आप... वो—वो आत्मा जो आपके पास है इस वचन के साथ सहमत होता है, और इस वचन को प्रकटीकरण में लाता है और इस वचन की सामर्थ को बनाता है कि उसी तरह से कार्य करता है जैसे इसने वहां किया।

215 आइए हम सब मिलकर कहें: “परमेश्वर के साथ एकत्व में होना ही परमेश्वर की आत्मा का आप में होना है, वचन के साथ सहमत होते हुए, सारे वचन के साथ, सम्पूर्ण वचन के साथ, और इसे सामर्थ में प्रकटीकरण

में लाना।"

216 आप वहां है, यही परमेश्वर के साथ एकत्व है। जब वह सामर्थ मुझ में कार्य करती है, आप में कार्य करती है, तो हम एक हो जाते है। आमीन! भाई किड, जब पवित्र आत्मा की सामर्थ मुझ में और आप में कार्य करती है, तो वहां कोई असहमति नहीं होती, वहां पर वचन होता है। यह काम करता है। आमीन। यह इसे वही बनाता है जो यह है, परमेश्वर अपने वचन के द्वारा आप में देहधारी हुआ। वचन आपके बीच सामर्थ बनता है, हर एक वचन!

217 अब, याद रखें, शैतान उस वचन का बहुत बड़ा हिस्सा लेता है, लगभग इसमें का निन्यानबे दशमलव निन्यानबे प्रतिशत। इसके सौ में से निन्यानबे दशमलव निन्यानबे प्रतिशत को लेता है, वह उसे एकदम सही जैसा बना देता है, लेकिन फिर वो *यहां* से हट जाएगा, और यही वो एक है जो ठीक वहां पर मृत्यु का कारण बन जाता है। यह जंजीर को ठीक बीच में से तोड़ देता है, आप नीचे गिर पड़ते हैं।

218 हर एक वचन! यीशु ने क्या कहा? "मनुष्य केवल रोटी से नहीं जीवित रहेगा, लेकिन हर एक वचन से!" ना ही परमेश्वर के कुछ ही वचनों से वह जीवित रहेगा, ना ही परमेश्वर के वचन के निन्यानबे दशमलव निन्यानबे प्रतिशत से। लेकिन हर एक वचन के द्वारा जो परमेश्वर के मुख से निकलता है, उसके द्वारा मनुष्य जीवित रहेगा।

219 शैतान उसे वहां ऊपर ले गया और कहा, "ऐसा लिखा है!" देखो, जैसे उसने हव्वा से कहा, "ऐसा लिखा है! ऐसा लिखा है!"

यीशु ने कहा, "और ऐसा भी लिखा है… "

220 उसने कहा, "ऐसा लिखा है, 'वह दूतों को तेरे निमित आज्ञा देगा।' बाईबल ऐसा कहता है!" लड़के, वो एक विद्वान है। "ऐसा लिखा है, 'वह अपने दूतों को तेरे विषय में आज्ञा देगा वे तुझ को हाथों हाथ उठा लेंगे, ऐसा न हो कि तेरे पांवों में पत्थर से ठेस लगे।'"

221 उसने कहा, "ऐसा भी लिखा है, 'तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा ना करना।'"

222 उन्होंने कहा, "हमारे पास वचन है," प्रेरितों के काम 19, "हमें यूहन्ना के द्वारा बपतिस्मा मिला है।"

223 पौलुस के पास कुछ और था, उसने कहा, “यह अब और काम नहीं करेगा।” देखा? “यूहन्ना ने केवल बपतिस्मा दिया… ” उसने यूहन्ना के शब्द पर अविश्वास नहीं किया। उसने कहा, “मैं तुम्हें बताऊंगा कि यूहन्ना ने क्या कहा। यूहन्ना ने कहा कि उसने मन फिराव का बपतिस्मा दिया, ना ही पापों की क्षमा के लिए।” बलिदान को मारा नहीं गया था, देखो। उसने कहा, “उसने मन फिराव का बपतिस्मा दिया, यह कहते हुए कि तुम्हें उस पर विश्वास करना चाहिए जो आने वाला है।” और जब उन्होंने इसे सुना, तो उन्होंने हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लिया था। पौलुस ने वचन से परिपूर्ण होकर उन पर अपने हाथ रखे, और पवित्र आत्मा उन पर उतर आया। वे भविष्यवाणी करने लगे, अन्य जुबान में बोलने लगे, परमेश्वर को ऊँचा उठाते हुए, और क्या ही समय था! ओह, प्रभु। यह कितनी बड़ी कलीसिया थी? बारह लोगों की। जी हां। ओह, परमेश्वर बड़ी संख्या में व्यवहार नहीं करता, वो ईमानदार ह्रदय में व्यवहार करता है। हमारे पास उस प्रकार का ह्रदय होने दो। क्या आप उससे प्रेम करते हैं? आइए हम प्रार्थना करें।

224 ओह, मेरे प्रिय भटके हुओ, क्या आपने मोआब की बेटियों को देखा है या आपने बेटियों को (मैं कलीसियाओं की बात कर रहा हूं) कैन की बेटियों को देखा है? वे वचन से कितनी दूर भटक गए हैं! क्या आपने, मेरे बहुमूल्य मित्र, क्या आपने अंत के दिनों में ध्यान दिया है कि ये बातें घटित हो चुकी हैं? क्या आपने हाल ही में इस विषय पर ध्यान दिया कि किस तरह से परमेश्वर का वचन प्रगट हुआ है? किस तरह से वो बेदारी जो कभी हुई, वह अब कैसे ठंडी पड़ गई है, वहां अब अधिक कुछ नहीं बचा है? यह क्या है? यह तूफान से पहले की खामोशी है। न्याय तैयार है। क्या आप इन बातों की ओर ध्यान दे रहे हैं? क्या आपने वचन की तुलना वचन से की है, बाईबल के वचन की तुलना बाईबल के वचन से, प्रमाण की तुलना प्रमाण से की है? क्या आपने यीशु के वचन की तुलना की है जो उसने कहा कि अंतिम दिनों में शैतान… यह बहुत ही नजदीक होगा, जैसे कोई वास्तविक चीज हो, इतना तक कि यदि यह संभव हो तो हर एक को भरमा दे उन चुने हुओ को छोड़, उस चुने हुए को। जरा सोचे, कि वचन की शिक्षा इतनी नजदीक होगी! “ओह, हम पवित्र आत्मा में विश्वास करते हैं, परमेश्वर सदा धन्य हो! हमारे पास पवित्र आत्मा है, हम अन्य जुबान में बोलते हैं।” और फिर पलटकर और वचन का इन्कार करते है? जी हां।

देखो, यदि संभव हो तो चुने हुए को भी भरमा देगा।

225 यदि यहां कोई ऐसा है जो परमेश्वर के साथ सही नहीं है, यदि यहां कोई तो है जो बीमार या पीड़ित है… यहां पर रूमाल और कुछ चीजें रखी हुई है, मैं उनके ऊपर प्रार्थना करने जा रहा हूं। मैं परवाह नहीं करता कि आपको क्या आवश्यकता है। किताब की हर एक प्रतिज्ञा आपकी है। यह आपकी है।

226 अब, मैं आपके लिए वचन को लाया हूं, इसे उत्पत्ति से लेकर आज के दिन तक लाया हूं, जिसमें हम रह रहे हैं, बस उन स्थानों में से लेते हुए और आपको दिखा रहा हूं। इसके अलावा सैकड़ों स्थानों पर से मैं ले सकता था, मेरे पास समय नहीं है। लेकिन निश्चित रूप से, इसमें, आप देख सकते हैं कि इस संगठन की चीजें बाहर है। यह शैतान की एक झूठी धारणा है, जो मनुष्य को संगठित करने का प्रयास कर रहा है, उनके खुद के मन और सोच की एकता के साथ। जब, यह पवित्र आत्मा के द्वारा ही हम परमेश्वर से जुड़ जाते हैं। और पवित्र आत्मा परमेश्वर के वचन के साथ सहमत होता है। देखो, बाईबल ने कहा, यीशु ने कहा कि वे इसे स्वीकार भी करेंगे, आप देखिए, "यदि संभव हो तो चुने हुए को भी भरमा दे।" आप देख रहे है कि हम कहां खड़े हैं?

227 अब परमेश्वर के इस वचन को उस विश्वास के हाथ में उठाये। आज सुबह आपको किस चीज की आवश्यकता है? आपको यीशु मसीह के नाम में पानी के बपतिस्मे की आवश्यकता है? तालाब खुला हुआ है। आपको पवित्र आत्मा के बपतिस्मे की आवश्यकता है? वह अपना मार्ग बनाते हुए आपके भीतर जोर देने की कोशिश कर रहा है। आपको चंगाई की आवश्यकता है? क्यों, वही पवित्र आत्मा स्वयं, वो वचन जो सामर्थ बना है, ठीक अभी यहाँ पर है, वही परखने की सामर्थ अब यहां इस श्रोतागण की ओर देख रही है और उस प्रकाश को एक चमक की तरह गोल-गोल घूमते हुए देख रही है। क्या मैंने आपको कभी कुछ गलत बताया है? [सभा कहती है, "नहीं।"—सम्पा।]

228 क्या मैंने कभी, जैसे—जैसे भविष्यव्यक्ता ने इस्राएलियों से कहा, इससे पहले कि उन्हें उनका मनुष्य द्वारा बनाया गया राजा मिलता, उसने कहा, "क्या मैंने तुम्हें कभी कुछ बताया है… ? क्या मैंने कभी तुम्हारे पैसे लिए हैं? क्या मैंने कभी वहां आकर और तुमसे पैसो के लिए विनंती की है

और—और यहाँ–वहां घूमकर और बड़े–बड़े महलों में रहा हूं और बड़ी–बड़ी चीजों को बनाया हैं और तुमसे तुम्हारे पैसो को लिया हैं? क्या मैंने कभी तुमसे एक पाई भी मांगी है? ”

“कभी नहीं।”

229 क्या मैंने कभी तुम्हें प्रभु के नाम में कुछ भी बताया है, सिवाय उसके जो परमेश्वर ने इसे पूरा किया हो? क्या मैंने कभी उसके नाम से कुछ ऐसा बोला है, सिवाय इसके जो यह था? क्या मैंने कभी तुम्हें सभा के बीच देखा गया वह दर्शन बताया है, जिसमें ठीक वही व्यक्ति उठ खड़ा हुआ था, चाहे वह अजनबी हो या जो कोई भी हो, लेकिन उसने यही कहा “यह सच है”? क्या मैंने तुम्हे कभी कुछ गलत बताया है? [सभा कहती है, “नहीं।”—सम्पा।] फिर अब मुझे तुम्हें बताने दो, **यहोवा यों कहता है,** पवित्र आत्मा को पा लो, वो आत्मा जो परमेश्वर के वचन को उन विश्वास के हाथों में ले लेगा, वहां से उस ओर चला जाएगा। सारा राज्य तुम्हारा है। यह तुम्हारा है, बच्चों।

230 आप जॉर्जिया से क्यों आए हैं, सारे देश भर से, ओहियो से, केनसास से, हर जगह से, एक छोटी सी सभा के लिए? मैं सोचता हूं कि टेप अब बंद किया गया है, इसलिए, मैं यह कह सकता हूं। देखा? आप इस तरह से क्यों आ रहे हैं? यह आपसे कौन करवाता है? यह क्या है? मैं यहां सैकड़ों मील दूर से अरकंसास से आए लोगों को देखता हूं।

231 पिछली रात, कैनसास शहर से आ रहा था, एक छोटा सा पोलिश भाई जो वहां पीछे खड़ा हुआ था, आया, अगुवाही हुई, कहा, “भाई ब्रन्हम, जब से मैंने पहले आपके विषय में केनडा में बहुत वर्षो पहले सुना, वे चीजें जो आपने देखी हैं और आपने की है, मैंने उनकी पूरी तरह से जांच की है, ठीक आगे और पीछे, ऊपर और नीचे से,” और कहा, “उनमें से एक भी चीज कभी गलत नहीं हुई है।” वह शायद एक पोलिश कैथोलिक है, और वो यहाँ आकर, टेप को लेता है, बाहर जाकर और उन्हें चलाता है, विरोध का सामना करता है। वे सेवक जिन्हें मेरे साथ रहना चाहिए और हमारी सहायता करना चाहिए, लेकिन उसकी सामर्थ का इन्कार करते है, वचन की सच्चाई का इन्कार करते है, और पवित्र आत्मा के होने का दावा करते है।

232 मैंने अपने आप को भविष्यव्यक्ता कहकर नहीं बुलाया है। आपने ऐसा

कहा है। लेकिन, यदि ऐसा है, तो फिर प्रभु का वचन कहां से आता है? हम कैसे कह सकते हैं कि वह सच है या नहीं, यदि उसे समर्थन करने के लिए कोई आधार ही न हो? यह यहाँ पर परमेश्वर का वचन है, लिखित वचन। और फिर यदि लिखित वचन समर्थन करता है, तब उस वचन में परमेश्वर ही होता है जो उस वचन को सत्य बनाता है। पौलुस ने कहा, "मेरे पीछे चलो, जैसे मैं मसीह के पीछे चलता हूं।"

233 अब, यदि आपको बीमारी से चंगाई के लिए परमेश्वर की आवश्यकता है, उद्धार के लिए, क्या... या छुटकारे के लिए... आप में से कुछ महिलाएं जिनके पास इतना अनुग्रह भी नहीं है कि अपने बालों को बढ़ने दे, आप में से कुछ पिरुष जिनके पास इतना अनुग्रह भी नहीं है कि सिगरेट पीना छोड़ दे, आप में से कुछ प्रचारकों के पास इतना अनुग्रह भी नहीं है कि यीशु मसीह के नाम में पानी के बपतिस्मा की सचाई को स्वीकार करें, आप में से कुछ बीमार लोग जो बीमार हैं और मृत्यु के कगार तक बीमार पड़े हैं, तो आज सुबह इस वचन को क्यों नहीं स्वीकार करते। अब मैं आपको बताऊंगा, हमारे बीच में ये देह है! इस वचन को अपने हाथ में ले ले।

234 यहां दीवार पर प्रभु के दूत की तस्वीर टंगी हुई है, वही एक जिसने इस्राएल के बच्चों की अगुवाई की, वही एक जिसने पौलुस भेंट की, वही एक जो मसीह में था। और वही पवित्र आत्मा आप में है, आप में है, आपको एक के रूप एकजुट कर रहा है। कौन सी बात हमारे ह्रदयो को सैकड़ों मील से एक साथ खींचकर लाती है? वहां देश में ऐसी कोई बात भी नहीं है। वे तो वचन के लिए आ रहे हैं।

235 "वहां एक लहू से भरा हुआ सोता है, जो इम्मेनुएल की नसों से निकला है, जहां अविश्वासी लोग बहाव में गोता लगाते हैं, और उनके सारे दोष के दाग से छुट जाते हैं। जब से मैंने विश्वास से उस धारा को देखा है जो आपके बहते घावों से बहती है, छुड़ाने वाला प्रेम मेरा विषय रहा है, और मेरे मरने तक रहेगा।"

236 हमारे स्वर्गीय पिता, यहां पर कुछ रूमाल और दस्ताने रखे हुए हैं, हो सकता है उन्हें डाक में भेजा जाए। मैं नहीं जानता कि इन्हें यहां किसने रखा है, हो सकता है बिली ने, हो सकता है यहां सभा के लोगों में से किसी ने। मैं बस अब ऐसा करने के लिए महसूस कर रहा हूं, प्रभु। मेरे हाथ में कुछ भी नहीं है, एक मनुष्य होने के नाते मुझ में कुछ भी नहीं है। मैं अपनी मानवीय

समझ पर निर्भर नहीं रह सकता। मैं नहीं समझता कि ऐसा क्यों है, लेकिन जो आपने कहा मैं उसका अनुकरण कर रहा हूं। “उन्होंने पौलुस की देह में से रुमाल और वस्त्र को लिया, और दुष्ट आत्माये लोगों में से निकल गईं।” ऐसा इसलिए नहीं था कि वह एक महान व्यक्ति था, यह इसलिए था क्योंकि वचन और सामर्थ में परमेश्वर उसके साथ था। और उसने कभी भी प्रेरितों से परामर्श नहीं किया, लेकिन जब वे एक साथ मिले तो पाया कि एक ही सुसमाचार, बपतिस्मे का वही रूप, हर एक चीज वही थी जो वे कर रहे थे, वे एक ही सहमति में थे।

237 अब मैं मांग रहा हूं, प्रभु, इन बहुमूल्य लोगों के लिए जो आप पर विश्वास कर रहे हैं, कि आप उन्हें चंगा करें। वे जो श्रोतागण में है, उन्हें चंगा करे, प्रभु। होने पाए उनका विश्वास बस ऊपर पहुंचे और ठीक अभी उस वचन को पकडे रहे, और कहे, “ट्यूमर, बीमारी, बुराई, तुम्हें अब जाना ही होगा, मैं परमेश्वर की तलवार से काटता हूं! मैं विश्वास कर रहा हूं! मेरा विश्वास मजबूत है। मैं तलवार को गहराई तक चला रहा हूं। मेरे रास्ते से हट जा! मैं चंगा होने के लिए अपनी सीट से उठ रहा हूं।” “मैं अपने पिता पर, अपनी बहन पर, अपने बच्चे पर, अपने पड़ोसी पर अपना हाथ रखता हूं। मैं विश्वास करता हूं। आपका वचन सत्य है। मैं आपके साथ एकत्व में हूं। वे काम जो आपने कहा उसे आपने किए, हम भी वहीं करेंगे। प्रभु परमेश्वर, मैं हर एक वचन पर विश्वास करता हूं। और मैं आगे आ रहा हूं, इसका दावा करने के लिए आगे आ रहा हूं, कि इसे आज सुबह को ले लूं।”

238 हे परमेश्वर, मैं किस तरह से सोच सकता हूं जब वो कलीसिया आगे बढ़ रही थी, जब मूसा वहां समुद्र के पास आकर थोड़ा सा डर गया, तो उसने प्रभु को दोहाई देना आरंभ किया। और प्रभु ने कहा, “तू मेरी दोहाई क्यों देता है? तू किस लिए मेरी दोहाई देता है? बोल और आगे बढ़! क्या मैंने तुझे इस काम के लिए आदेश नहीं दिया है? बोल!” क्या बोलना है? परमेश्वर का वचन। “यह तुम्हारे अंदर है। बोल और आगे बढ़। मेरे लिए दोहाई नही दे। आगे बढ़।”

239 और, प्रभु परमेश्वर, आज मैं प्रभु यीशु के नाम में आया हूं। मैं इस विश्वास की तलवार को लेकर आया हूं, पवित्र आत्मा के द्वारा परमेश्वर और मनुष्य के एकत्व का दावा करते हुए, उसके पुत्र यीशु मसीह की दया

और बलिदान में से होते हुए। मैं हर उस शैतान को चुनौती देता हूं जिसने किसी को भी इस भवन में किसी भी तरह से बांध कर रखा है, चाहे वह लड़का हो या लड़की, पुरुष हो या महिला। मैं हर बीमारी को चुनौती देता हूं। मैं हर संदेह को चुनौती देता हूं। मैं हर डर को चुनौती देता हूं। मैं हर एक चीज को चुनौती देता हूं जो धर्मभ्रष्ट है, इस श्रोतागण को यीशु मसीह के नाम में छोड़ दे! इस सभा के लोगों में से बाहर आ जा, जिससे कि हम परमेश्वर के साथ एक हो सकें और बिना बीमारी या डर के परमेश्वर की सेवा कर सकें। होने पाए वो सामर्थ जिसने हमें परमेश्वर के साथ एक कर दिया... अभिषिक्त लोगों के बीच वह शैतान कैसे अपनी आवाज़ उठा सकता है? कैसे वह शैतान वहां पर खड़े होकर और अपने आप से एक गोलियत की तरह अपनी आवाज़ को उठा सकता है? जब दाऊद छावनी के अंदर आया, और कहने लगा, "तुम्हारा मतलब है कि तुमने उस खतनारहित पलिश्ती को वहां खड़ा होने दिया और जीवित परमेश्वर की सेना को ललकारने दिया? "

240 हे परमेश्वर, पुरुषों और स्त्रियों को आत्मा की सामर्थ में ऊपर उठाये। वो अपरिवर्तित, उस मुरझाये हुए शैतान को जिसने मनुष्य जाति को इस युग में से होते हुए नुकसान पहुंचाया है, यहाँ खड़े होकर और जीवित परमेश्वर की कलीसिया को चुनौती दे? शैतान, बाहर आ, और छोड़ दे, यीशु मसीह के नाम में!

241 अब, तुम्हारे पास इतनी शक्ति है कि एक तलवार को उठा सको, अब जबकि तुम्हारे पास परमेश्वर के वचन में इतनी समझ है कि इसे अपनी व्यक्तिगत संपत्ति होने का दावा कर सकते हो, जो अब अपने हाथ में परमेश्वर के वचन को उठा सकता है, इसे विश्वास के हाथों में थामे हुए, और कह सकता है, "मैं अपना पक्ष प्रभु के साथ लेता हूं। अब से मैं अपने परमेश्वर के साथ एकत्व में हो जाऊंगा। मैं इस वचन में आत्मा की तलवार को चलाऊँगा, और मैं शैतान को हर उस प्रतिज्ञा से काट दूंगा जिसकी परमेश्वर ने मुझसे प्रतिज्ञा की है।"

242 यदि आप इसे अपने पूरे हृदय से विश्वास करते हैं, तो मैं आपसे पूरे हृदय से ईमानदारी से कहता हूं, यीशु मसीह के नाम में, अपने पैरों पर खड़े हो जाये और इसे स्वीकार करे। क्या आपका सचमुच यही अर्थ हैं? क्या आप ईमानदार हैं? क्या वचन आपके हाथ में है? क्या आपका हाथ

आपका विश्वास है? अपने भौतिक हाथ को परमेश्वर की ओर उठाये, कहे, “परमेश्वर, इसके द्वारा, अपने उठे हुए हाथ के द्वारा मैं अपने सम्पूर्ण जीवन की प्रतिज्ञा करता हूं। मैं अपने प्राण की प्रतिज्ञा करता हूं, मैं अपने विचारों की प्रतिज्ञा करता हूं, मैं हर एक चीज परमेश्वर के वचन के लिए प्रतिज्ञा करता हूं। पवित्र आत्मा अब मेरे विश्वास को ले और मुझे उस चीज को दे। मुझ में से हर एक संदेह को काट कर निकाल दे। और, विश्वास के द्वारा, मैं इसी क्षण उस प्रतिज्ञा को ग्रहण करता हूं, जिसके लिए मैं मांग रहा हूं।”

243 यदि आप इसे विश्वास करते हैं, तो कहे, “आमीन,” अभी। [सभा कहती है, “आमीन।”—सम्पा।] कहे, “आमीन,” फिर से। [“आमीन।”] आमीन, आमीन, आमीन! तब, यदि आप अपने पूरे ह्रदय से ऐसा ही चाहते है, तो यीशु मसीह के नाम में, मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि जो तुमने माँगा है वह तुम्हें मिलेगा। आमीन। आप इसे अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करें। परमेश्वर आपको आशीष दे।

भाई नेविल।

62-0211 एकत्व
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2026 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org